राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 08 अक्टूबर 2025
वर्ष 16, अंक 58, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सामुदायिक शौचालयों में करोड़ों का खेल!.....03

एसएसपी ने रिश्वत के आरोप में एसआई, सिपाही को किया निलंबित....04

क्या सीएम की कुर्सी निहारते ही रह जाएंगे तेजस्वी यादव? लुटिया डुबोने के लिए तैयार बैठी है कांग्रेस!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना- सारा श्रृंगार किया पर 'घेघा' बिगाड़ दियाजबिहार के ग्रामीण अंचलों में ये कहावत काफी लोकप्रिय है. इसका उपयोग वैसे संदर्भों में किया जाता है जब 'अज्ञानता वश' किसी के पूरे परिश्रम पर पानी फिर जाता है. बिहार चुनाव के संदर्भ में क्या महागठबंधन के साथ यही कुछ होने जा रहा है? दरअसल, वोट चोरी और बिहार एसआईआर के मुद्दे पर जिस तरह से राहुल गांधी ने आक्रामक रूप दिखाया और एनडीए सरकार के विरुद्ध तमाम माहौल बनाया, क्या यह बिहार में फलीभूत होता हुआ दिख रहा है? 16 अगस्त से लेकर 3 सितंबर तक राहुल गांधी ने बिहार की यात्रा भी की, तेजस्वी यादव को भी साथ लिया और पूरी आक्रामकता से जदयू-भाजपा सरकार पर जोरदार प्रहार भी किए, लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ? टाइम्स नाउ और जेवीसी की ताजा चुनावी सर्वे रिपोर्ट इसकी परतें खोलती है जो कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है!

कांग्रेस की सियासी जमीन और खिसकी

दरअसल कांग्रेस ने बिहार में कांग्रेस की मिट्टी पलीद हो जाने की तस्वीर इस सर्वे में दिखाई गई है. खास बात यह कि बीते 2020 के चुनाव से भी बदतर नतीजे कांग्रेस के लिए इस ताजा सर्वे में दिखाए जा रहे हैं. सर्वेक्षण से पता चलता है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 'वोट चुराने' का अभियान मतदाताओं को रास नहीं आया है और 52 प्रतिशत लोगों ने विशेष जांच के आरोपों को निराधार बता दिया है. खास बात तो यह है कि सीटों के आंकड़े ऐसे हैं जो कांग्रेस की सियासी जमीन ही उसके पैरों तले से खिसका देने वाली है।

नीतीश-तेजस्वी की टक्कर में कांग्रेस गुम!

बता दें कि बिहार चुनाव 2025 जनमत सर्वेक्षण में जेवीसी पोल के अनुसार, इस साल नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जनता दल (यूनाइटेड) को 53 सीटें मिलने की उम्मीद है. दूसरी ओर, भाजपा को 71 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि राजद को 74 सीटें मिलने की उम्मीद है. यानी राजद और भाजपा बराबरी की टक्कर में है और पिछले चुनाव की तुलना में जदयू भी बढ़ता हुआ दिख रहा है और 10 सीटें अधिक आने का अनुमान है. लेकिन, सवाल कांग्रेस को लेकर है कि आखिर देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी का बिहार में क्या होने वाला है?

सर्वे की बड़ी तस्वीर, कांग्रेस की कमजोर नींव

बता दें कि ओपिनियन पोल में सीटों की संख्या के मामले में एनडीए महागठबंधन पर मज़बूत बढ़त बनाए हुए है. जेवीसी पोल के अनुसार, एनडीए को 131-150 सीटें मिलने की उम्मीद है, जिसमें भाजपा को 66-77 सीटें, जेडी(यू) को 52-58 सीटें और एनडीए के अन्य सहयोगियों को 13-15 सीटें मिल सकती हैं. वहीं, सर्वेक्षण में महागठबंधन के लिए अनुमान लगाया गया है कि राजद को 57-71 सीटें मिल सकती हैं, उसके बाद कांग्रेस को 11-14 सीटें और अन्य को 13-18 सीटें मिल सकती हैं. इस तरह विपक्षी गठबंधन की कुल सीटों की संख्या 81-103 हो जाती है.

सीएम फेस की रेस में तेजस्वी से आगे नीतीश

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को 4-6 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एआईएमआईएम, बसपा और अन्य को 5-6 सीटें मिलने का अनुमान है. सर्वेक्षण की सबसे खास बात यह है कि ये ओपिनियन पोल नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के लिए सकारात्मक संदेश दे रहे हैं. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी और बिहार में अपना जनाधार खोने की अफवाहों के विपरीत, बिहार चुनाव से पहले एक नए सर्वेक्षण से पता चलता है कि जेडीयू को 2020 की तुलना में अधिक सीटें मिलने की संभावना है. नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे पसंदीदा नेता बनकर उभरे हैं।

चुनावी समीकरण और वोट शेयर का गणित

जेवीसी पोल के अनुसार, इस साल नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जनता दल (यूनाइटेड) को 53 सीटें मिलने की उम्मीद है। यह 2020 की तुलना में दस सीटें ज़्यादा है और इस साल अगस्त में किए गए सर्वेक्षण के अपने अनुमान से लगभग दोगुनी है. पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा और राजद ने क्रमशः 74 और 75 सीटें जीती थीं. वोट शेयर की बात करें तो एनडीए को 41-45 प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है, जबकि महागठबंधन को 37-40 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है।

बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर का एक्स-फैक्टर

जेवीसी सर्वे के अनुसार, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, जिसे कई लोग आगामी चुनावों में 'एक्स-फैक्टर' मानते हैं, 10-11 प्रतिशत वोट शेयर के साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकती है. दूसरी ओर, कांग्रेस को एक और झटका लग सकता है. मुख्यमंत्री के सवाल पर, अधिकांश उत्तरदाताओं ने नीतीश को प्राथमिकता दी, 27 प्रतिशत ने उन्हें वोट दिया. राजद के तेजस्वी यादव 25 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे. इसके बाद प्रशांत किशोर (15%), चिराग पासवान (11%) और सम्राट चौधरी (8 प्रतिशत वोट) हैं।

राहुल की रणनीति पर सवाल, तेजस्वी की टेंशन

राहुल गांधी ने वोट चोरी और एसआईआर मुद्दे पर जमकर आक्रामकता दिखाई, लंबा दौरा किया, तेजस्वी यादव को साथ लिया और एनडीए सरकार को घेरा भी. लेकिन, सर्वे बताता है कि मतदाताओं को यह रणनीति रास नहीं आई. उल्टे, कांग्रेस की सियासी ज़मीन और खिसकती दिख रही है. राहुल गांधी की रणनीति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. सवाल यह भी कि क्या बिहार के चुनावी रण में कांग्रेस फिर वही गलती दोहराने जा रही है जो राजद और तेजस्वी यादव के लिए सेटबैक साबित होने जा रही है. जाहिर है बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर आए ताज़ा जेवीसी सर्वे ने कांग्रेस की चिंता और गहरी कर दी है।

मैं पीएम मोदी को जानता हूं, भारत के लोग कभी अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, पुतिन का बड़ा बयान, यूरोप को वॉर्निंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूस और यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर पश्चिमी देशों को चेतावनी दी है. उन्होंने साफ कहा कि यदि यूरोप ने रूस को उकसाने की कोशिश की तो उसका जवाब तुरंत और बेहद घातक होगा. साथ ही उन्होंने रूस-यूक्रेन जंग खत्म कराने की कोशिश करने के लिए भारत की तारीफ की. पीएम मोदी की तारीफ करते हुए पुतिन ने कहा, मैं पीएम मोदी को जानता हूं. भारत के लोग अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे. रूस भारत और चीन जैसे देशों का आभारी है, जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की. ये ऐसे देश हैं जो किसी का पक्ष लेने से इनकार करते हैं और वास्तव में एक न्यायपूर्ण विश्व बनाने की आकांक्षा रखते हैं।

दक्षिण रूस में आयोजित एक समारोह में पुतिन ने कहा, हम यूरोप के बढ़ते सैन्यीकरण पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. रूस की ओर से जवाबी कदम उठाने में वक़्त नहीं लगेगा. और यह प्रतिक्रिया बहुत गंभीर होगी. पुतिन ने साफ किया कि रूस कमजोरी या अनिर्णय का परिचय कभी नहीं देगा. हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि रूस का नाटो गठबंधन पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "अगर किसी को अभी भी हमारे साथ सैन्य प्रतियोगिता करने का मन है, तो उन्हें कोशिश कर लेने दें. रूस ने सदियों से यह साबित किया है कि उकसावे का जवाब तुरंत और सख्ती से दिया जाता है।

शांति से सोइए, आराम कीजिए

राष्ट्रपति पुतिन ने विशेष रूप से जर्मनी का नाम लेते हुए कहा कि वह यूरोप में सबसे शक्तिशाली सेना बनाने का सपना देख रहा है. उन्होंने यूरोपीय नेताओं पर हिस्टेरिया फैलाने का आरोप लगाया. यूरोप की एकजुट अभिजात्य जमात लगातार युद्ध की आशंका का माहौल बना रही है. वे बार-बार कहते हैं कि रूस से जंग दरवाज़े पर खड़ी है. यह एक तरह की बकवास है, जिसे वे मंत्र की तरह दोहराते रहते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि यह मानना असंभव है कि रूस कभी नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला करेगा. सचमुच, मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूं- शांति से सोइए, आराम कीजिए और अपने घर की समस्याओं पर ध्यान दीजिए. जरा देखिए कि यूरोपीय शहरों की सड़कों पर क्या हो रहा है।

रूस-यूरोप टकराव- शीत युद्ध से आगे

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने पश्चिमी मीडिया की शीत युद्ध जैसी तुलना को खारिज किया. उन्होंने कहा, यह शीत युद्ध नहीं है. यहां काफी पहले से ठंड नहीं, बल्कि आग लगी हुई है. हम पहले से ही एक नए तरह के संघर्ष में हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोपीय संघ और नाटो, रूस पर झूठे आरोप लगाकर अपने विशाल रक्षा बजट को सही ठहराना चाहते हैं. ÷उनके बयान दो चीज़ें बताते हैं. पहला, वे उकसावे की एक श्रृंखला तैयार कर रहे हैं. दूसरा, उन्हें अपने सैन्य बजट को जायज़ ठहराने का बहाना चाहिए।

ड्रोन घटनाएं और बढ़ती चिंताएं

पिछले दिनों डेनमार्क में ड्रोन घटनाओं और एस्टोनिया व पोलैंड में कथित रूसी हवाई उल्लंघनों ने इस डर को गहरा कर दिया है कि यूक्रेन युद्ध की आग सीमाओं से बाहर फैल सकती है. हालांकि पुतिन ने इन चिंताओं को "अफवाह और प्रोपेगेंडा"बताते हुए खारिज किया. उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों का मकसद अपने सैन्य खर्च को जायज ठहराना है।

अमेरिका और रूस में तनाव

सिर्फ दो महीने पहले अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की मुलाक़ात के बावजूद शांति की उम्मीदें अब और धुंधली होती दिख रही हैं. रूसी सेना यूक्रेन में लगातार बढ़त बना रही है, वहीं रूसी ड्रोन के नाटो हवाई क्षेत्र में दाखिल होने की रिपोर्टें भी आई हैं. इस बीच, अमेरिका अब रूस के भीतर गहरे हमले करने पर विचार कर रहा है।

भारत की तारीफ

अपने संबोधन में पुतिन ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व राजनीति में भारत का संतुलित दृष्टिकोण काबिले तारीफ है. उन्होंने कहा, भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से यह दिखाया है कि बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भी दबावों के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रख सकते हैं. रूस भारत को एक भरोसेमंद साझेदार मानता है. पुतिन ने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा संवाद, शांति और कूटनीति पर ज़ोर दिया है, जो मौजूदा समय में बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने भारत के ऊर्जा सहयोग और रणनीतिक संतुलन की भी सराहना की।

संक्षिप्त ख़बरें

टावर से बैट्री चोरी का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। टॉवर में लगी बैट्री चोरी को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जेठवारा थाना क्षेत्र के बलापुर निवासी वीरेन्द्र कुमार पटेल एक प्राइवेट टॉवर में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि बीती 24 सितंबर की रात देउम पूरब टावर में लगे 24 बैट्री चोर उठा ले गये। विभागीय छानबीन के बाद टेक्नीशियन वीरेन्द्र ने चार अक्टूबर को पुलिस को तहरीर दी। सांगीपुर एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात चोर के खिलाफ बैट्री चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

सपाईयों ने संगठन की मजबूती को लेकर भरी हुंकार

लालगंज, प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की रविवार को यहां हुई बैठक में संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों पर विचार विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता सपा नेता कामता पटेल व संचालन रामधन यादव ने किया। बैठक में सांसद डॉ0 एसपी सिंह पटेल के प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने के लिए संपर्क अभियान तेज करने को कहा। उन्होने कहा कि सांसद डॉ0 एसपी सिंह पटेल के द्वारा जिले के विकास में तेजी जारी दिखेगी। इस मौके पर रामलगन यादव, प्रकाशचंद्र उपाध्याय, रोशन लाल सरोज, डॉ0 वीपी यादव, राजेश यादव, आलोक सिंह, आशीष कमल, राजू, विवेक, विजय आदि रहे।

बरेली में 'रजा पैलेस' पर चला बुलडोजर, मौलाना के गुर्गे नफीस का था बारात घर, अब गिराया जा रहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली हिंसा मामले में पुलिस-प्रशासन का एक्शन जारी है. मौलाना तौकीर रजा के गुर्गों और रिश्तेदारों पर कार्रवाई हो रही है. इसी कड़ी में शनिवार को मौलाना के गुर्गे नफीस के 'रजा पैलेस' नाम के बारात घर पर बुलडोजर चलाया गया. इस दौरान भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही. बता दें कि इससे पहले बीते मंगलवार को बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) ने सपा पार्षद व तौकीर रजा के रिश्तेदार उमान रजा के गैराज को ध्वस्त कर दिया था. साथ ही उसकी दो नवनिर्मित दुकानें भी सील कर दी थीं।

नफीस ने पुलिस को दी थी धमकी

शहर के जखीरा मोहल्ले में स्थित रजा पैलेस डॉ. नफीस का है. नफीस को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. आरोप है कि यह मौलाना का सबसे करीबी है और हिंसा का मुख्य आरोपी यही है. इसी ने लोगों को भड़ाकाया था, जिसके बाद काफी संख्या में लोग जमा हो गए थे. जब पुलिस 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर हटाने गई थी, तब नफीस ने एक इंस्पेक्टर से कहा था कि पुलिस के हाथ काट लूंगा. पोस्टर को हाथ भी मत लगाना.

नफीस के साथ-साथ पुलिस ने उसके बेटे को भी जेल भेजा है।

फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद मौलाना तौकीर रजा

एक्शन को लेकर बरेली की डिप्टी एसपी सोनाली मिश्रा ने बताया कि यह अभियान बरेली जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा है और हम सुरक्षा प्रदान करने के लिए यहां मौजूद हैं. पर्याप्त पुलिस बल को तैनात किया गया है. अभी तक पुलिस हिंसा में 83 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. मौलाना तौकीर रजा फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद है।

नमाज का वक्त बदलकर भीड़ इकट्ठा की

SSP अनुराग आर्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि हिंसा वाले दिन मस्जिदों में नमाज का वक्त जानबूझकर बदला गया था. आमतौर पर शुक्रवार की नमाज शहर की अलग-अलग मस्जिदों में दोपहर 12:30 से 3:30 बजे तक होती है, लेकिन उस दिन योजनाबद्ध तरीके से एक बजे नमाज अदा करवाई गई. इसके बाद बड़ी संख्या में लोग नौमहला मस्जिद से निकलकर इस्लामिया ग्राउंड की ओर बढ़ने लगे. यही भीड़ आगे चलकर उपद्रव और हिंसा में शामिल हुई।

वॉट्सऐप ग्रुप और CCTV फुटेज से मिले सुराग

जांच के दौरान पुलिस को CCTV कैमरों और कंट्रोल रूम से मिले वीडियो फुटेज में अहम सुराग मिले. शुरुआती जांच में सामने आया कि शुक्रवार सुबह एक वीडियो अपील सोशल मीडिया पर वायरल की गई थी. इसी वीडियो के बाद अलग-अलग वॉट्सऐप ग्रुप्स में नमाज का समय बदलने की सूचना फैलाई गई।

नफीस का बेटे भी हिंसा में शामिल

SSP अनुराग आर्य ने बताया था कि IMC का आधिकारिक फेसबुक पेज इस पूरे मामले में अहम कड़ी है. पूछताछ में सामने आया कि डॉ. नफीस का बेटा फरहान ही इस फेसबुक पेज को ऑपरेट करता था. उसी ने नमाज बदलने वाली अपील अपलोड की थी. बाद में प्रशासन को गुमराह करने के लिए उसका स्क्रीनशॉट फैलाया गया और थोड़ी देर बाद वह पोस्ट डिलीट भी कर दी गई।

बाबा चैतन्यानंद सरस्वती का काला सच उजागर, सेक्स टॉय, पॉर्न सीडी और फर्जी तस्वीरें बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- खुद को संत बताने वाले और यौन शोषण के आरोपों से घिरे बाबा चैतन्यानंद सरस्वती का सच अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। पुलिस की हालिया तलाशी में उनके आश्रम और संस्थान से कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई हैं, जिनमें सेक्स टॉय, पांच पॉर्न वीडियो की सीडी और अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ उनकी फर्जी तस्वीरें शामिल हैं।

पुलिस की तलाशी में मिला आपत्तिजनक सामान

बुधवार को दिल्ली पुलिस की टीम बाबा को लेकर उनके इंस्टीट्यूट पहुंची और पूरे परिसर की फिर से तलाशी ली। इस दौरान, एक सेक्स टॉय,5 सीडी, जिनमें अश्लील वीडियो होने का शक,अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरून के साथ फर्जी तस्वीरें बरामद हुईं। इन फर्जी तस्वीरों का इस्तेमाल बाबा लोगों पर प्रभाव डालने और खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "महत्वपूर्ण व्यक्ति" साबित करने के लिए करता था।

फरारी के दौरान छिपने की कहानी

मामले में अगस्त में केस दर्ज होने के बाद बाबा करीब दो महीने तक फरार रहा। पुलिस जांच में सामने आया है कि फरारी के दौरान वह उत्तराखंड के बागेश्वर और अल्मोड़ा में ठहरा था। अब पुलिस वहां भी जाकर जांच कर रही है और स्थानीय सूत्रों से जानकारी जुटा रही है।

लड़कियों से चैट और एयरहोस्टेस वाली तस्वीरें

इससे पहले भी बाबा को लेकर कई चौंकाने वाले सबूत सामने आ चुके हैं। पुलिस की जांच में उनके मोबाइल फोन से कई युवतियों और छात्राओं के साथ अश्लील चैट, एयरहोस्टेस के साथ तस्वीरें, कई युवतियों की व्हाट्सएप डीपी (DP) के स्क्रीनशॉट्स बरामद हुए हैं। इन चैट्स में बाबा सीधे-सीधे सेक्स और शारीरिक संबंध को लेकर बातचीत करता था। कई मैसेज ऐसे मिले हैं जिन्हें बाद में डिलीट कर दिया गया था। अब पुलिस इन्हें रिकवर करने की कोशिश कर रही है।

सेक्स ट्रैफिकिंग से भी जुड़ा शक

जांच में बाबा की चैट्स से यह भी खुलासा हुआ था कि वह संभवतः सेक्स ट्रैफिकिंग रैकेट से भी जुड़ा हुआ था। एक चैट में उसने अपनी एक छात्रा से कहा था कि "दुबई के शेख को पार्टनर चाहिए"और उसे किसी दोस्त या क्लासमेट को भेजने का दबाव बनाया था।

पूछताछ में गोलमोल जवाब

गिरफ्तारी के बाद पुलिस की पूछताछ में बाबा लगातार गोलमोल जवाब देता रहा। वह केवल सख्ती करने पर ही कुछ सच बताता था, वरना जांच में सहयोग करने से बचता था। हालांकि, पुलिस हर दिन उसके पास से नए-नए राज और आपत्तिजनक सबूत निकाल रही है।

अमेरिका में एक और भारतीय की निर्मम हत्या! भाई, तुम ठीक हो? सुनते ही ठोक दी गोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिकों के खिलाफ हिंसक वारदातों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। पेंसिलवेनिया के पिट्सबर्ग से सामने आए ताजा मामले में 51 वर्षीय राकेश एहगाबन नामक भारतीय मूल के मोटल मालिक की निर्मम हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार रात को उस समय हुई जब राकेश ने अपने मोटल के बाहर किसी झगड़े की आवाज सुनकर जांच करने का प्रयास किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राकेश ने बाहर जाकर झगड़े के संदिग्ध व्यक्ति से पूछा, "भाई, क्या तुम ठीक हो?"इस सवाल के जवाब में आरोपी 37 वर्षीय स्टैनली यूजीन वेस्ट ने अचानक बंदूक निकाल ली और राकेश के सिर पर सीधे गोली चला दी। राकेश की मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना से कुछ ही देर पहले, वेस्ट ने अपनी महिला साथी पर भी गोली चलाई थी। महिला अपने बच्चे के साथ कार में बैठी थी और उसे गम्भीर चोटें आईं।

किसी तरह वह ऑटो सर्विस सेंटर तक पहुंची और मदद मांगी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। हत्या के बाद वेस्ट यू-हॉल वैन में बैठकर फरार हो गया। पिट्सबर्ग के ईस्ट हिल्स इलाके में पुलिस ने उसे ट्रैक किया, लेकिन आरोपी ने पुलिस पर भी गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में एक पुलिसकर्मी घायल हुआ, जबकि वेस्ट भी गोली लगने से घायल हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और लापरवाही से खतरा पैदा करने जैसे गंभीर चार्ज दर्ज किए हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है जब महज एक महीने पहले टेक्सस में भी एक भारतीय मूल के मोटल मैनेजर की हत्या हुई थी। वहां वॉशिंग मशीन को लेकर हुए झगड़े के बाद आरोपी ने मैनेजर की सिर काटकर हत्या कर दी थी। इन लगातार बढ़ती घटनाओं ने अमेरिका में भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद भी आगे की जांच जारी है। स्थानीय भारतीय समुदाय ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और अमेरिकी अधिकारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिका में बढ़ती ऐसी हिंसक घटनाएं भारतीय नागरिकों और प्रवासी समुदाय में भय और असुरक्षा की भावना को और बढ़ा रही हैं।

JF-17 इंजन सौदे पर रूसी विशेषज्ञों का दावा: पाकिस्तान के साथ रूस की डील का भारत को होगा बड़ा फायदा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूसी रक्षा विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि JF-17 में इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ऋष्ठ-93 इंजन की कथित बिक्री वास्तव में दिल्ली को लाभान्वित करेगी। विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर विपक्ष द्वारा भारत सरकार की आलोचना को अनुचित बताते हुए खारिज किया। मॉस्को स्थित प्रतिष्ठित प्रिमाकोव इंस्टीट्यूट में दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में नयी चुनौतियों पर अनुभाग के प्रमुख प्योत्र तोपीचकानोव ने बताया, "मुझे नहीं लगता कि यहां आलोचना उचित है। अगर रूस द्वारा जेएफ-17 के लिए इंजन उपलब्ध कराने की खबरें सही हैं, तो इससे भारत को वास्तव में दो तरह से लाभ होगा।" उन्होंने कहा, "सबसे पहले, यह दर्शाता है कि चीन और पाकिस्तान अभी तक रूसी इंजन को बदलने में कामयाब नहीं हुए हैं। दूसरे, नया विमान भारत के लिए परिचित और अनुमानित होगा, खासकर इसलिए क्योंकि दोनों एक ही इंजन साझा करते हैं और भारत ने मई 2025 के संकट (ऑपरेशन सिंदूर) के दौरान जेएफ-17 के परिचालन उपयोग को देखा है।" तोपीचकानोव ने याद दिलाया कि चीन ने रूस से अपने एफसी-17 जेट के लिए अस्थायी उपाय के तौर पर आरडी-93 इंजन की आपूर्ति के लिए अनुरोध किया था तथा इसके पाकिस्तान को हस्तांतरण की संभावना के मुद्दे को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह के समय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की तत्कालीन सरकारों द्वारा उठाया गया था। हालांकि, एक अन्य विशेषज्ञ ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि उन्हें इस मुद्दे पर हुई बातचीत धुंधली-सी याद है। उन्होंने कहा, "मास्को ने नयी दिल्ली को यह विश्वास दिलाया कि आरडी-93 सौदा बिना किसी तकनीकी हस्तांतरण (टीओटी) के पूरी तरह से व्यावसायिक है, जबकि भारत को तकनीकी हस्तांतरण (टीओटी) के तहत कहीं बेहतर आरडी-33 इंजन का लाइसेंस दिया गया है।" क्लिमोव संयंत्र द्वारा उत्पादित आरडी-93, अपने मूल आरडी-33 की तुलना में, अधिक 'थ्रस्ट 'देता है, लेकिन इसकी सेवा अवधि कम है। आरडी-93 की सेवा अवधि 2,200 घंटे है, जबकि आरडी-33 की 4,000 घंटे। रूस-चीन-पाकिस्तान के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते के तहत, रूस 2000 के दशक की शुरुआत से पूरी तरह से असेंबल किए गए आरडी-93 इंजन की आपूर्ति कर रहा है। पाकिस्तान अब एक संशोधित संस्करण चाह रहा है, जो अभी तक विकसित नहीं हुआ है। बिक्री के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कांग्रेस ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमान जेएफ-17 के लिए रूस द्वारा इंजन की आपूर्ति किए जाने संबंधी मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए शनिवार को कहा था कि यह मोदी सरकार की कूटनीति की विफलता है और उसे देश को यह बताना चाहिए कि भारत का एक भरोसेमंद साथी रूस, पाकिस्तान को सैन्य सहयोग क्यों दे रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उन खबरों का हवाला दिया था, जिनमें कहा गया है कि रूस जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पाकिस्तान को जेएफ-17 जेट इंजन की आपूर्ति पर रूस के आगे बढ़ने की खबरों को रविवार को "गैरजिम्मेदाराना सूचना युद्ध" करार दिया और इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। भाजपा ने कांग्रेस पर भारत के बजाय "दुश्मन का पक्ष लेने" का आरोप लगाया।

वीरांगना रानी दुर्गावती-निडरता और नेतृत्व का आदर्श

रानी दुर्गावती- हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत

रानी दुर्गावती- प्रजा की रक्षक और वीरता की मिसाल

हर युग में कुछ व्यक्तित्व अपनी वीरता, साहस और बलिदान से इतिहास के पन्नों को अमर कर देते हैं। ऐसी ही एक प्रखर शख्सियत हैं गोंडवाना की वीरांगना रानी दुर्गावती, जिनका नाम भारत के स्वर्णिम इतिहास में चमकता है। हर साल 5 अक्टूबर को उनकी जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उन आदर्शों का स्मरण भी है, जो उन्होंने जीवन भर जिए—नन्हा साहस, अटल न्याय, प्रबल देशभक्ति और निःस्वार्थ नेतृत्व। रानी दुर्गावती की गाथा केवल एक योद्धा रानी की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा है, जो आज भी हर भारतीय, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को, अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ता और आदर्शों के लिए प्रेरित करती है। 5 अक्टूबर 1524 को, दुर्गाष्टमी के पवित्र दिन, उत्तर प्रदेश के कालिंजर किले में चंदेल राजवंश के राजा कीर्ति सिंह की पुत्री के रूप में रानी दुर्गावती का जन्म हुआ। उनके नामकरण में ही उनके व्यक्तित्व की झलक थी—दुर्गावती, अर्थात् शक्ति और साहस की प्रतीक। बचपन से ही उनमें असाधारण बुद्धिमत्ता, साहस और नेतृत्व के गुण स्पष्ट थे। परंपरागत राजकन्या की शिक्षा के साथ-साथ उन्हें युद्धकला, शस्त्र संचालन, घुड़सवारी और शासन प्रबंधन में भी निपुण बनाया गया। उस युग में, जब महिलाओं को युद्ध और शासन से दूर रखा जाता था, दुर्गावती ने रूढ़ियों को तोड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उनके पिता ने उन्हें स्वतंत्रता और साहस के साथ पाला, जिसने उन्हें न केवल अपने परिवार, बल्कि अपने राज्य और प्रजा के प्रति समर्पित एक योद्धा और शासक बनाया। गोंडवाना के राजा दलपत शाह से विवाह के बाद रानी दुर्गावती ने इस समृद्ध और रणनीतिक राज्य की बागडोर संभाली। गोंडवाना, जो वर्तमान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों में फैला था, अपनी प्राकृतिक संपदा और सामरिक महत्व के कारण कई साम्राज्यों की नजरों में था। दुर्गावती ने अपने पति के साथ मिलकर प्रजा की भलाई और सुरक्षा को प्राथमिकता दी। दलपत शाह की असामयिक मृत्यु के बाद, उन्होंने अपने नाबालिग पुत्र वीर नारायण के संरक्षक के रूप में शासन की कमान संभाली। एक महिला शासक के रूप में, उन्होंने न केवल राज्य की रक्षा की, बल्कि इसे समृद्ध, संगठित और न्यायपूर्ण बनाया। उनकी नीतियाँ प्रजा-केंद्रित थीं, जिनमें शिक्षा, व्यापार और सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया। उनके शासन में सभी को समानता और न्याय प्राप्त था, जो उस युग के लिए एक क्रांतिकारी कदम था।

रानी दुर्गावती की वीरता का सबसे प्रखर प्रमाण उनका मुगल साम्राज्य के खिलाफ अदम्य साहस है। 16वीं सदी में, जब सम्राट अकबर का साम्राज्य अपनी चरम शक्ति पर था, गोंडवाना उनकी नजरों में था। रानी दुर्गावती ने इस खतरे को भाँपकर अपने राज्य की रक्षा के लिए कड़ा संकल्प लिया। उन्होंने अपनी सेना को संगठित किया, रणनीतियाँ बनाईं और स्वयं युद्धभूमि में उतरीं। उनकी वीरता और नेतृत्व ने मुगल सेनाओं को कड़ी चुनौती दी। युद्ध के मैदान में उनकी शौर्यगाथा ने न केवल उनके सैनिकों, बल्कि समस्त भारतवासियों के लिए एक प्रेरणा स्थापित की। सन् 1564 का युद्ध रानी दुर्गावती के जीवन का वह स्वर्णिम अध्याय है, जो उनकी वीरता और स्वाभिमान को अमर बनाता है। मुगल सेनापति आसफ खान के नेतृत्व में विशाल मुगल सेना ने गोंडवाना पर आक्रमण किया। इस भयंकर चुनौती के सामने रानी दुर्गावती ने अपने पुत्र वीर नारायण, सेनापतियों और प्रजा के साथ मिलकर अदम्य साहस का परिचय दिया। उनकी तीक्ष्ण युद्ध रणनीति और अटल संकल्प ने मुगल सेना को बार-बार पीछे हटने पर मजबूर किया। युद्ध के मैदान में, घायल होने के बावजूद, रानी ने हार नहीं मानी। जब विजय की संभावना क्षीण हो गई, तब भी उन्होंने अपने सम्मान और गोंडवाना की स्वतंत्रता को सर्वोपरि रखा। स्वयं अपने प्राणों की आहुति देकर, उन्होंने न केवल अपने स्वाभिमान की रक्षा की, बल्कि प्रजा के प्रति अपनी निष्ठा और देशभक्ति का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बलिदान केवल युद्ध का परिणाम नहीं, बल्कि साहस, सम्मान और प्रेम की अमर कहानी है। रानी दुर्गावती केवल एक योद्धा नहीं थीं; वे एक दूरदर्शी शासक, ममतामयी माँ और समाज सुधारक भी थीं। उनके शासनकाल में गोंडवाना शिक्षा, व्यापार और कला का केंद्र बना। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनके राज्य में हर वर्ग को समानता और सम्मान मिले। उनकी नीतियाँ न केवल प्रजा-केंद्रित थीं, बल्कि समय से आगे थीं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि साहस और नेतृत्व लैंगिक सीमाओं से परे हैं। रानी दुर्गावती का शासन आज भी नेतृत्व और शासन प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी मॉडल है, जो हमें निःस्वार्थ सेवा और समावेशी विकास का पाठ पढ़ाता है। हर साल 5 अक्टूबर को मनाई जाने वाली रानी दुर्गावती की जयंती केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि साहस, बलिदान और नेतृत्व का जीवंत उत्सव है। यह दिन हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करने और उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज के दौर में, जब लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे वैश्विक चर्चा का हिस्सा हैं, रानी दुर्गावती का जीवन एक सशक्त उदाहरण है कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कर सकती हैं। उनकी गाथा हमें सिखाती है कि कठिनतम परिस्थितियों में भी साहस और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना ही सच्चा नेतृत्व है। रानी दुर्गावती की स्मृति को संजोए रखने हेतु मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनके नाम पर विद्यालय, महाविद्यालय और स्मारक स्थापित किए गए हैं। उनकी जयंती पर आयोजित सांस्कृतिक आयोजन, युद्ध पुनरावृत्ति और शैक्षिक कार्यक्रम नई पीढ़ी को उनके साहस और बलिदान से परिचित कराते हैं। विद्यालयों में उनकी कथाएँ पढ़ाई जाती हैं, ताकि बच्चे और युवा उनके आदर्शों से प्रेरित हों। उनकी विरासत केवल गोंडवाना तक सीमित नहीं, बल्कि यह समस्त भारतवासियों के लिए एक अनमोल धरोहर है। रानी दुर्गावती का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो निःस्वार्थ भाव से प्रजा की भलाई और देश के सम्मान के लिए समर्पित हो।

उनकी कहानी यह विश्वास जगाती है कि कोई भी चुनौती इतनी बड़ी नहीं, जिसे साहस, दृढ़ निश्चय और सही मूल्यों के साथ पार न किया जा सके। उनकी जयंती हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम उनके आदर्शों को अपनाएँगे और अपने देश व समाज के लिए सकारात्मक योगदान देंगे। रानी दुर्गावती की जयंती पर उनकी अमर गाथा को नमन करते हुए, हमें उनके साहस, बलिदान और नेतृत्व से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने का प्रण लेना चाहिए। उनकी स्मृति हमें याद दिलाती है कि सच्ची वीरता और देशभक्ति समय की सीमाओं को लाँघकर हर युग में प्रासंगिक रहती है।

प्रो. आरके जैन

आज की शिक्षा प्रणाली में सुधार की अपेक्षा

शिक्षा एक बहुत बड़ी चीज है। वह जीवन में एक नई चमक ला देती है। मानव की सोई हुई शक्ति को जगाने वाली शिक्षा ही है। शिक्षण का सही लक्ष्य मानव बनाने का है। जिस शिक्षा से मानव में मानवता जागृत न हो अथवा पशुता के संस्कार समाप्त न हों, उस शिक्षा का कोई महत्त्व नहीं है। वर्तमान में जो शिक्षा-पद्धति है, वह समीचीन नहीं है। आज इस बात की आवश्यकता है कि शिक्षा का, ज्ञान का स्वरूप सम्यक् हो एवं वातावरण में व्याप्त अराजकता के उन्मूलन के लिए जागरूकतापूर्वक प्रयास हो। यह कटु सत्य है कि आज की शिक्षा प्रणाली सम्यक् नहीं है। कहाँ हमारा ज्योतिर्मय अतीत एवं कहाँ अंधकारमय वर्तमान ? यदि यही स्थिति रही तो भविष्य को धूमिल और अंधकारमय ही समझना चाहिए। जब हम अपने अतीत की ओर दृष्टिपात करते हैं तो मन गर्व से अभिभूत हो उठता है। बड़ों के प्रति विनय रखो, छोटों को स्नेह दो, किसी का दिल मत दुःखाओ, झूठ मत बोलो, हिंसा से बचो, अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए किसी का शोषण मत करो, जीवन की यात्रा अनुशासनबद्ध होकर करो, प्रामाणिकता को कभी भी खण्डित मत होने दो। 'मातृ देवो भव', 'पितृ देवो भव' और 'अतिथि देवो भव' के आदर्श को एक पल के लिए भी विस्मृत मत करो। कितनी उदात्त शिक्षा थी हमारे भारतवर्ष की। इस शिक्षा के आधार पर व्यक्तित्त्व का निर्माण होता था और आज ? आज की नाजुक स्थिति के सम्बन्ध में मुझे कुछ अधिक कहने की आवश्यकता नहीं है। आप स्वयं अच्छी तरह से महसूस करते हैं। हाथ कंगन को आरसी की जरूरत नहीं हुआ करती। जो कुछ है, सब हमारे सामने है। कुत्ते, बिल्लियों और चूहों से प्रारम्भ होने वाली शिक्षा भला किस तरह से व्यक्ति के भीतर सुसंस्कारों के बीजों का वपन कर पाएगी ? शिक्षा के क्षेत्र में व्यापारीकरण की ज्वाला फुट रही है।शिक्षा सम्यक नही होने के कारण लोग इसका फायदा उठाते है।पेपरलीक जैसी घटनाएं बन रही है।इसमें अयोग्य छात्र सरकारी नौकरियों में प्रवेश करते है।जबकि होशियार छात्र की राहे कठिन हो जाती है।शिक्षकों की व्यभिचारी प्रवृत्ति समय समय पर अखबार की सुर्खियां बटोरती है।यह समाज का काला सच कड़वे घूंट के रूप में हम सबको पीना पड़ता है।स्कूल में भारी बैग का वजन ढोने वाला विद्यार्थी की दशा पर तरस आता है।स्कूल में बिगड़ती व्यवस्था को लेकर सभी चिंतित रहते है।क्योंकि बच्चो का भविष्य का होगा? सी ए टी-कैट और डी ओ जी-डोग से आज के बालक की प्राइमरी शिक्षा प्रारम्भ होती है।

कुत्ते और बिल्ली को रटने वाले बालक में कुत्ते और बिल्ली के ही तो संस्कार आएंगे। मुझे याद है जब बचपन में हमने स्कूल में प्रवेश किया, शिक्षकगण हमें 'ग' की पहचान गणेश से करवाते थे, आज स्थिति ही बदल गई है, आज 'ग' से गणेश की नहीं अपितु 'ग' से बालक को गधे का बोध करवाया जाता है। पाश्चात्य शिक्षा का यह प्रभाव हुआ है कि न हम पूरे अंग्रेज बन पाये और न पूरे भारतीय ही रह पाये। हमारा चित्त बन गया यूरोपियन और देह रह गई भारतीय। शरीर भारतीय है, क्योंकि उसे हम गोरा नहीं बना पाये पर हाँ, हमारी वेशभूषा, खान-पान, रहन-सहन, बोल-चाल सब कुछ यूरोपियन हो चुका है।स्कुलो में अंग्रेजी को अनिवार्य करके हमारी हिंदी भाषा से मुंह मोड़ने वाले क्या जताना चाहते है? कृष्ण ने यशोदा से कहा- "मैया मैं नहिं माखन खायो।" वात्सल्य की मूर्ति ममतामयी माँ के लिए मैया, अम्मा का सम्बोधन आज पुस्तकों में तो मिल सकता है, पर वर्तमान का भारतीय बालक 'मम्मी' कहने में गर्व का अनुभव करता है। आज की माँ भी 'मम्मी' सम्बोधन सुनकर खुश होती है। हम अपने नाते-रिश्तों को भी भूल गये, इससे होगी ? अधिक शोचनीय स्थिति क्या? छात्र-छात्राओं में विलक्षण क्षमताएँ विद्यमान हैं। विद्यार्थियों में जो क्षमताएँ हैं, वे प्रकट हों और उनका सही रूप से उपयोग हो। यह कटु सत्य है कि आज का छात्र बदनाम हो रहा है। वह अपनी क्षमताओं का दुरुपयोग कर रहा है। संस्कारहीनता एवं उच्छृंखलता के कारण आज परिवार, समाज और राष्ट्र का जो अंतर हृदय है, वह अत्यंत आंदोलित एवं उद्वेलित है। जब-जब हम अखबार में पढ़ते है कि छात्रों के द्वारा अमुक स्थान पर अश्लील हरकत की गई एवं उनके द्वारा यह नुकसान कर दिया गया तो हमे गहरी पीड़ा की अनुभूति होती है। उद्दण्डता, उच्छृंलखता, अनुशासनहीनता एवं तोड़-फोड़ किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। अनुशासनहीनता और सद्?गुणों की उपेक्षा से जीवन अपवित्र होता है। विधार्थीओ से परिवार, समाज और राष्ट्र को कई अपेक्षाएँ हैं। आप मनोयोग के साथ अध्ययन कीजिए एवं अर्जित किये गये ज्ञान को जीवन के आचरण के रूप में लाइये। आचरण से ही जीवन उत्कृष्ट बनता है। आपको सदाचार का स्वागत करना है और सच्चे अर्थों में इनसान बनना है।

आज जो दौर चल रहा है, वह अत्यंत भयावह है। विकृतियों की पुष्टि से जीवन-मूल्यों का तेजी से जो क्षरण हो रहा है उसकी रोकथाम के लिए हमको आगे आने की जरूरत है। हम जिस धरती पर जन्मे हैं, जहाँ पर जी रहे हैं, यह धरती महान् है। यहाँ की संस्कृति अत्यंत गरिमा से परिपूर्ण है। हमें यहाँ की गौरवगरिमा की सुरक्षा के लिए हर समय सचेष्ट रहना है। जहाँ भी पापों की ज्वालाएँ उठें, दृढ़ता के साथ हमें उनका प्रतिकार करना है। हमारे राष्ट्र को आघात पहुँचाने वाले विषपूर्ण तत्त्व जब-तब अनधिकार चेष्टाएँ करते रहते हैं, ऐसी स्थिति में हमें पूर्ण सजगता बनाए रखना है। कभी भी किसी के द्वारा हमारे राष्ट्र को, हमारी संस्कृति को यदि आघात लगता है तो यह हम सभी के लिए लज्जा एवं दुर्भाग्य का विषय होगा। उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना करते है एवं छात्रो को आत्मीयता के नाते यह आग्रह करते है कि आप जीवन के पथ पर पूरी जागरूकता के साथ गति-प्रगति करें। शिक्षा का उद्देश्य केवल पेटपूर्ति अथवा रोजगार मात्र नहीं है। शिक्षा वही शिक्षा है जो सुधार की समग्र दिशाओं को प्रशस्त करती है। हमें वही शिक्षा आत्मसात करनी है जिसे स्व-पर हित सम्यक प्रकार से सम्पादित हो।

अभिभावकों से भी मेरा सभी विशेष रूप से यह कहना है कि आपके भी कुछ विशेष दायित्व हैं। आपको अपने दायित्वों का अत्यंत निष्ठा के साथ निर्वाहन करना है। आपकी सजगता और असजगता से बालक प्रेरित और प्रभावित होता है। आप अपने जीवन को ऐसा आदर्श बनाएँ जिससे आपके बालक को घर से ही योग शिक्षा मिलने का प्रारम्भ हो। शिक्षकों का दायित्व भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। शिक्षक का पद बहुत ही गरिमामय पद है। शिक्षक, बालक को शिक्षा देते समय पूर्ण सावधानी रखें। शिक्षा के नाम पर कभी भी बालक को कुसंस्कार देने की भूल न करें। यह भूल ऐसी भूल है, जो चिरकाल तक कदम-कदम पर शूल का कार्य करके चुभन देती रहती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी शिक्षा के मूल उद्देश्य को भलीभाँति समझेंगे एवं सदाचार की ओर प्रवर्तन करेंगे, यदि ऐसा हो सका तो बहुत बड़ी उपलब्धि की बात होगी।

कांतिलाल मांडोत

धरती और प्रकृति का बदलता नैसर्गिक स्वरूप

बाढ़-सूखा और भूकंप

इंसान की लालच ने मूक धरती को भी कहीं का नहीं छोड़ा है इंसानों की स्वार्थी गतिविधियों के कारण आज पृथ्वी पर उष्णता का गंभीर संकट मंडरा रहा है। धरती, जिसे हमने सदा मां का सम्मान दिया है,आज वही पृथ्वी माता अपनी ही संतानों के लोभ,लालच और स्पृहा से कराह कर,जख्मी हो कर तड़प रही है। औद्योगिकीकरण की अंधा-धुंध दौड़, प्रदूषण का भयानक विस्तारित स्वरूप, जंगलों की बेदर्द कटाई और धरती में उपलब्ध संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इन सबने धरती का संतुलन बिगाड़ कर रख दिया है। नतीजा यह है कि कभी बरसात बेकाबू होकर प्रलय लाती है, तो कभी महीनों तक आसमान सूखा रहकर दरारें छोड़ देता है। यही है आज का सबसे बड़ा संकट। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की रिपोर्टें बता रही हैं कि धरती का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद से 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। सुनने में यह मामूली छोटा आंकड़ा लगता है, पर इसके असर बेहद भयावह हैं।

हिमखंड पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और मौसम का मिज़ाज पूरी तरह बदल चुका है। भारत खेती पर ही अधारित,निर्भर देश इसका सबसे बड़ा भुक्त भोगी रहा है।

यहां की अर्थव्यवस्था और करोड़ों किसानों का जीवन मानसून पर अवलंबित तथा टिका हुआ है। लेकिन अब मानसून का स्वरूप पूरी तरह तहस नहस हो चुका है। देश के राज्य कीगईअसम, बिहार और उत्तराखंड में हर साल बाढ़ तबाही मचाती है, जबकि विदर्भ, मराठवाड़ा, बुंदेलखंड और राजस्थान में सूखा किसानों को आत्महत्या तक करने को मजबूर कर देशता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी और 2018 की केरल बाढ़ ने लाखों परिवार उजाड़ दिए हैं। वैश्विक स्तर पर दुनिया के दूसरे हिस्सों की तस्वीर भी उतनी ही डरावनी है। चीन की यांग्त्ज़ी नदी की बाढ़ करोड़ों लोगों को प्रभावित करती है। अफ्रीका का साहेल क्षेत्र लगातार सूखे से जूझ रहा है। अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों की आग हर साल नई तबाही लाती है। यूरोप की गर्म हवाएं हजारों लोगों की जान ले चुकी हैं। हमारे पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल बार-बार बाढ़ और तूफानों से त्रस्त रहते हैं। यह स्पष्ट है कि वैश्विक उष्णता अब किसी एक देश का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरी मानवता का संकट है। भारतीय संस्कृति सदा से प्रकृति को पूजती आ रही है। ऋग्वेद से लेकर महात्मा गांधी तक हमें यही संदेश मिला कि प्रकृति का सम्मान करो, उसका दोहन नहीं। गांधी जी ने चेताया था कि "धरती मनुष्य की जरूरत पूरी कर सकती है, लेकिन उसके लालच को नहीं।" दुर्भाग्य से हमने इस चेतावनी की अनदेखी की और आज परिणाम हमारे सामने है। फिर भी उम्मीद बाकी है। बचाव के रास्ते हमारे ही हाथों में हैं। कोयले और पेट्रोलियम पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन और बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। जंगलों की कटाई रोककर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा। जल संरक्षण को आंदोलन का रूप देना होगा। तालाब-कुएं पुनर्जीवित करने होंगे, नदियों की सफाई करनी होगी। किसानों को सूक्ष्म सिंचाई और आधुनिक जल प्रबंधन से जोड़ना होगा। और व्यक्तिगत स्तर पर ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम प्रयोग और हरित जीवनशैली अपनाना अब हर नागरिक का धर्म होना चाहिए।धरती तप रही है, आसमान गरम हो रहा है और बारिश-बाढ़ का तांडव हमें आगाह कर रहा है कि समय हाथ से निकल रहा है। यह केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों का सवाल नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का प्रश्न है। यदि आज नहीं चेते तो कल की सभ्यता केवल इतिहास की किताबों में बचेगी। धरती मां की पुकार साफ है "मुझे बचाओ, ताकि तुम्हारा भविष्य भी बचा रहे।"

संजीव ठाकुर

संपादकीय

यूपी में सख्त कानून के बावजूद लवजेहाद जारी

उत्तर प्रदेश में क्राइम कंट्रोल की तमाम कोशिशों के बावजूद अपराधी सक्रिय हैं. इसमें सबसे ज्यादा गंभीर मामला लव जिहाद से जुड़ा हुआ है. पिछले कुछ समय से यहां लव जिहादी तेजी से सक्रिय हुए हैं. हिंदू लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण कराने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं. उत्तर प्रदेश के बागपत में लव जिहाद का मामला सामने आया है, जहां एक मुस्लिम युवक पहले हिंदू लड़की को बहला फुसला कर ले गया था, जिसके बाद जेल में बंद युवक के चाचा ने फोन करके युवक व्हाट्सएप पर फोन करके धर्मांतरण और निकाह का दबाव बनायामामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. बागपत के खेकड़ा थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में रहने वाली हिंदू लड़की ने आरोप लगाया है कि कॉलेज के दिनों में उसकी आरोपी शोएब से दोस्ती हुई थी, मुस्लिम युवक ने पहचान छिपाकर उससे दोस्ती की थी.पहले 3 जुलाई को शोएब उसे बहला-फुसलाकर ले गया, जिसके उसने लड़की से मारपीट की और धर्मांतरण करने को कहा. इस मामले में कार्रवाई करते हुए गाजियाबाद पुलिस ने लड़की को बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया और शोएब को जेल भेज दिया देवरिया जिले में लव जिहाद के दो घटनाएं सामने आई हैं। दो नाबालिगों को प्रेम जाल में फंसाकर गायब करने का मामला तूल पकड़ लिया है। दोनों परिवारों के स्वजन तहसील व अधिकारियों का चक्कर लगाने के बाद परेशान हैं। उसके बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है।

गौरीबाजार पुलिस ने दोनों मामले में मुकदमा दर्ज किया है। एक और नाबालिग को दो वर्ष पूर्व लव जिहाद के मामले में ही नाबालिग लड़की को विदेश पहुंचा दिया गया और उसका धर्म परिवर्तन करा दिया गया। स्वजन थाना व पुलिस अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर काटते रहे लेकिन उस परिवार को न्याय नहीं मिल सका। तीनों घटनाएं गौरीबाजार थानाक्षेत्र की हैं। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने इन मामलों को डीजीपी तक पहुंचाया है। गौरीबाजार क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर दो किशोरियां लव जिहाद की शिकार हुई हैं। पहली घटना 24 जुलाई को हुई। किशोरी के पिता का आरोप है कि किशोरी को बुर्का पहनाकर घर के आभूषण के साथ उसे लेकर मुस्लिम समाज का आरोपित युवक फरार हो गया। लखीमपुर खीरी के मोहमदी थाना क्षेत्र में 'लव जिहाद' का एक मामला दर्ज किया गया है। हिंदू युवा वाहिनी के सदस्यों ने शंकरपुर चौराहे के पास एक संदिग्ध जोड़े को पकड़ा, जिसके बाद यह घटना सामने आई। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 2 बजे हिंदू युवा वाहिनी के सदस्यों ने शंकरपुर चौराहे पर इस जोड़े को संदिग्ध अवस्था में देखा था। पूछताछ में पता चला कि मुस्लिम समुदाय का युवक मोहिद, हिंदू बनकर लखनऊ की एक दलित लड़की को बहला-फुसलाकर लंबे समय से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। उधर हरदोई में 2 साल पहले लव जिहाद की शिकार हुई दलित महिला की अपहरण और हत्या का पुलिस ने खुलासा किया. हिंदू महिला को समुदाय विशेष के युवक ने पहले प्रेम जाल में फंसाया और फिर बहला फुसलाकर परिवार के साथ दिल्ली ले गया. दिल्ली से वापस लौटने पर हत्यारों ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी और शव को एक कुएं में दफन कर दिया था.हरदोई में कोतवाली संडीला के सराय मारूफ़पुर के रहने वाले शशीचंद्र की (30) वर्षीय पत्नी सोनम के रहस्यमय ढंग से गायब होने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है.सोनम को प्रेमजाल में फंसाकर उसके समुदाय विशेष के प्रेमी ने भाई और मां-बाप के साथ मिलकर गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया था. घर से निकली दोबारा नहीं लौटी दरअसल सोनम विगत 6 अगस्त 2023 को अपने घर में बेटे के लिए थरमस लेने की बात कहकर गांव से संडीला बाजार जाने के लिए निकली थी और फिर कभी लौट कर वापस नहीं आई.सोनम के वापस न लौटने पर ससुर गंगाराम ने कोतवाली संडीला में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया था.महिला के रहस्यमय ढंग से गायब होने की इस गुत्थी को सुलझाने के लिए पुलिस को 2 साल का लंबा वक्त लगा.इस अंतराल में पांच विवेचक बदले गए,सभी विवेचकों ने इस केस की विवेचना की लेकिन इस अपहरण की गुत्थी को सुलझाने में पुलिस को सफलता नहीं मिल सकी. 12 जून 2025 को इस केस की विवेचना सीओ संडीला संतोष कुमार सिंह को सौंपी गई. सीडीआर का गहनता से अध्ययन कर इलेक्ट्रॉनिक व वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया गया.पुलिस ने संदेह के आधार पर थाना माधोगंज के जेहदीपुर गांव के रहने वाले अयूब और उसके बेटे समीदुल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया.दोनों की निशान देही पर पुलिस ने जेहदीपुर गांव के पास झाड़ियों के बीच स्थित कुएं से मृतका का कंकाल और कपड़े बरामद किए हैं.मृतका के घर वालों ने शव की शिनाख्त की जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के सरसावा थाना क्षेत्र से लव जिहाद का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक ने अपना नाम छिपाकर हिन्दू लड़की से शादी की, कई महीनों तक लिव-इन रिलेशन में रखा और फिर जब उसकी असली पहचान का खुलासा हुआ तो उस पर धर्मांतरण और जबरन निकाह का दबाव बनाने लगा। पीड़िता अब न्याय की गुहार लेकर एसएसपी से भी गुहार लगाई इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में आक्रोश है। जानकारी के मुताबिक, जनपद सहारनपुर के सरसावा थाना क्षेत्र में लव जिहाद का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक मुर्सलीन, जो दिन में जूस की रेहड़ी लगाता था और रात में पुलिस की वर्दी पहनकर चौकिदारी करता था, उसने अपनी असली पहचान छुपाकर हिन्दू लड़की से शादी की। ये तो सिर्फ चंद मामले बानगी बतौर है हकीकत यह है कि ऐसी एक नही सैकड़ों मामले सामने रहे हैं जिनमें मुस्लिम समुदाय के युवकों द्वारा सोची समझी साजिश के तहत हिन्दू लड़कियों को कथित प्यार के जाल में फंसा कर देह शोषण व धर्मांतरण का जेहादी कारनामे को अंजाम दिया जा रहा है। यूपी में धर्मांतरण नियमन कानून के बावजूद ऐसे मामलों में कमी नहीं आयी है यह वर्तमान और आने वाले समय में एक खतरनाक माहौल बना सकता है। जरूरत इस बात की है कि हिन्दू लड़कियों को समय रहते संस्कार संस्कृति और धर्मपरिवर्तन की वारदातों के खतरनाक अंजाम के बारे में खुलकर चेताया जाए ताकि लड़कियों को लवजेहाद की साजिश से बचाया जा सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

स्टील्थ फाइटर क्लब में शामिल होने की तैयारी में भारत

भारत ने अपने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाया है और अब वह अपना पहला पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस विमान का नाम एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए रखा गया है। अमेरिकाए रूस और चीन जैसे देशों ने पहले ही इस श्रेणी के लड़ाकू विमान बना लिए हैं और अब भारत भी उनकी पंक्ति में खड़ा होने जा रहा है। एएमसीए परियोजना का नेतृत्व डीआरडीओ और एडीए कर रहे हैं। इस परियोजना के लिए एक्सप्रेशन ऑफइंटरेस्ट जारी किया गया थाए जिसके लिए सात प्रमुख भारतीय कंपनियों ने बोली लगाई। इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेडए लार्सन एंड टुब्रोए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और अडानी डिफेंस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन सात में से सिर्फ दो कंपनियों को चुना जाएगाए जो डीआरडीओ के साथ मिलकर इस महत्वाकांक्षी विमान के निर्माण की जिम्मेदारी उठाएंगी। चयनित कंपनियों को शुरुआत में 15ए000 करोड़ रुपये दिए जाएंगेए जिनसे पांच प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे।

इस पूरी परियोजना की लागत करीब दो लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और इसके तहत 125 से अधिक लड़ाकू विमान बनाए जाने की योजना है। फिलहाल प्रक्रिया शुरुआती दौर में है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व प्रमुख एण् शिवथानु पिल्लई की अध्यक्षता में गठित समिति इन कंपनियों की बोलियों का मूल्यांकन कर रही है। समिति की रिपोर्ट रक्षा मंत्रालय को सौंपी जाएगी और फिर यह निर्णय होगा कि किस दो कंपनियों को अंतिम जिम्मेदारी दी जाए। एक बार इसका निर्माण शुरू होने के बाद यह लड़ाकू विमान 2035 के आसपास भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकता है। यह समय लंबा जरूर हैए लेकिन जिस तरह की तकनीक और संसाधनों की इसमें आवश्यकता हैए उसके हिसाब से यह अवधि स्वाभाविक है।

एएमसीए का डिजाइन और तकनीकी पहलू भी अत्यंत आधुनिक हैं। यह दो इंजन वाला और एक सीट वाला विमान होगाए जिसमें एडवांस्ड स्टील्थ कोटिंग होगी। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि यह दुश्मन के रडार से बचते हुए हमला करने में सक्षम होगा। इसकी उड़ान क्षमता 55ए000 फीट तक होगी। इस विमान का कुल वजन करीब 25 टन होगा और इसमें 6ण्5 टन ईंधन भरने की क्षमता होगी। हथियार ले जाने की दृष्टि से भी यह अत्यंत सशक्त होगा। इसकी आंतरिक हथियार प्रणाली की क्षमता 1500 किलोग्राम होगी जबकि बाहरी हथियारों की क्षमता 5500 किलोग्राम तक होगी। इस तरह यह किसी भी आधुनिक युद्ध की परिस्थितियों में दुश्मनों को भारी नुकसान पहुंचाने में सक्षम रहेगा।

भारत का यह कदम सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान और चीन दोनों ही परमाणु हथियारों से लैस हैं और पिछले कुछ वर्षों में इन दोनों देशों के साथ भारत के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। ऐसे में भारत का अपनी वायुसेना को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाना आवश्यक हो गया है। स्टील्थ फाइटर की तकनीक वायुसेना को युद्ध के दौरान निर्णायक बढ़त दिला सकती है क्योंकि यह दुश्मन की नजरों से बचकर वार कर सकता है। अभी तक अमेरिकाए रूस और चीन ही इस तकनीक वाले विमानों का निर्माण कर पाए हैं। भारत का इस सूची में शामिल होना उसकी सैन्य शक्ति और तकनीकी क्षमता को एक नए स्तर पर पहुंचा देगा।

हाल के वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में कई बड़े सौदे किए हैं। फ्रांस से 26 राफेल.एम फाइटर जेट्स की खरीद भी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इनकी कीमत करीब 63ए000 करोड़ रुपये है और यह विमान 2031 तक भारत को मिल जाएंगे। इससे पहले ही वायुसेना में 36 राफेल.सी लड़ाकू विमान शामिल हो चुके हैं। राफेल.एम आने के बाद पुराने मिग.29के विमानों की जगह ले लेंगे। लेकिन एएमसीए की खासियत यह है कि यह पूरी तरह स्वदेशी होगा और अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा।

यदि एएमसीए परियोजना समय पर पूरी होती हैए तो यह न केवल वायुसेना की ताकत बढ़ाएगा बल्कि भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा योगदान देगा। यह ष्मेड इन इंडियाष् स्टील्थ फाइटर होगाए जो भविष्य में भारत की सामरिक स्थिति को बेहद मजबूत करेगा। इस परियोजना से जुड़े उद्योगों को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि इसमें निजी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी होगी। अब तक रक्षा उत्पादन में सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां ही प्रमुख भूमिका निभाती रही हैंए लेकिन इस बार निजी कंपनियां भी बराबरी से साझेदार बनेंगी।

एएमसीए की विशेषताएं इसे विश्व स्तरीय लड़ाकू विमानों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। अमेरिका का एफ22 और एफ35ए रूस का एसयू.57 और चीन का जे.20 पहले से ही विश्व में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत का एएमसीए इनसे किसी मायने में कम नहीं होगा। इसकी स्टील्थ तकनीकए मल्टी.रोल हथियार क्षमता और उच्च उड़ान सीमा इसे किसी भी आधुनिक युद्ध में निर्णायक बना सकती है। इसकी संरचना और एवियोनिक्स सिस्टम आधुनिकतम होंगेए जिससे यह जटिल परिस्थितियों में भी सहज संचालन कर सकेगा।

यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत का यह अदृश्य योद्धा आने वाले वर्षों में वायुसेना की शान बनेगा। जब यह विमान सेवा में शामिल होगाए तब भारत की सैन्य शक्ति एक नए मुकाम पर होगी और दुनिया की महाशक्तियों की सूची में उसका नाम और मजबूत होगा। पाकिस्तान और चीन के लिए यह स्पष्ट संदेश होगा कि भारत अपनी सुरक्षा और सैन्य क्षमता को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। एएमसीए सिर्फ एक फाइटर जेट नहीं बल्कि भारत की तकनीकीए सामरिक और औद्योगिक प्रगति का प्रतीक होगा।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा की मतदाता सूची का पुनरीक्षण अभियान शुरू

बलरामपुर/उतरौला। विधानसभा की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हो गया है। इसके तहत तहसील में बने निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी पुनरीक्षण का कार्य कर रहे हैं। इसमें मतदाता सूची में दर्ज नामों को प्रमाणित करने के लिए दस्तावेज लिए जाएंगे। एसडीएम अभय सिंह ने बताया कि यह कार्य सूची को सही ढंग से तैयार करने के लिए किया जा रहा है। बताया कि जिनका नाम मतदाता सूची में एक जनवरी 1987 से पूर्व दर्ज है, उन मतदाताओं को केवल एन्यूमरेशन फॉर्म भरना होगा। उन्हें 2003 की मतदाता सूची के साक्ष्य भी अपलोड करना होगा। सूची का मिलान 2003 की सूची से किया जा रहा है। अभी मिलान की प्रक्रिया ही की जानी है। बताया कि जिन मतदाताओं का जन्म 1987 से पूर्व हुआ हुआ है और 2003 की मतदाता सूची में नाम अंकित नहीं है। उन मतदाताओं को जन्म प्रमाणपत्र व जन्मस्थान को प्रमाणित करने वाला कोई दस्तावेज लगाना होगा।

जिन मतदाताओं का जन्म 2004 के बाद हुआ उन्हें मतदाता सूची में जन्मतिथि व जन्मस्थान को प्रमाणित करने के लिए पिता और माता का प्रमाणपत्र देना होगा। मतदाता पुनरीक्षण में सरकार द्वारा निर्गत पेंशन, बोर्ड या विश्वविद्यालय के शैक्षिक प्रमाणपत्र, परिवार रजिस्टर की नकल आदि साक्ष्य के रूप शामिल किए जाएंगे। एसडीएम ने बताया कि जल्द ही घर-घर अभियान चलेगा। अभी सूची का मिलान किया जा रहा है।

सिद्धार्थनगर- विद्यालय स्तर की गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता संपन्न हुई

सिद्धार्थनगर। जिलेमें उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6, 7 व 8 की विद्यालय स्तर की गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता सकुशल संपन्न हुई। इस अवसर पर नोडल प्रवक्ता पंकज कुमार ने बताया कि विद्यालय स्तर पर गणित ओलंपियाड की प्रतियोगिता को संपन्न करने के लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारी, एआरपी गणित, एआरपी विज्ञान, प्रधानाध्यापक/इंचार्ज प्रधानाध्यापक का विशेष योगदान रहा। प्रत्येक विद्यालय से दो छात्रों का चयन किया जाएगा तथा ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता में 10 छात्रों का चयन किया जाएगा जो जनपद स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जनपद स्तर पर 5 बच्चों का चयन किया जाएगा। नोडल प्रवक्ता पंकज कुमार ने चार विद्यालय पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय सोनखर, बॉसी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय सूपाराजा, बॉसी, कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय बसडिलिया, नौगढ़ , पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय मधुबेनिय, बर्डपुर का निरीक्षण किया। नोडल प्रवक्ता पंकज कुमार ने यह भी बताया कि प्रतियोगिता में कुल 30 प्रश्न थे । कक्षा 5 से 7 तक के स्तर के थे। विद्यालय स्तर पर व्हाइट बोर्ड/ब्लैक बोर्ड पर प्रश्नपत्र लिखा गया जबकि आगे के स्तर के लिए प्रश्नपत्र लिखित रूप में दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गणित ओलंपियाड की प्रतियोगिता छात्रों की गणितीय प्रतिभा और तर्क कौशल को बढ़ावा देने तथा गणित विषय के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

पशुओं को हरा चारा, भूसा, व स्वच्छ पानी की व्यवस्था उपलब्ध रखें- सीडीओ

सिद्धार्थनगर। जिले के भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के महतिनिया खुर्द स्थित शिव नंदी गौशाला का शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान गौशाला परिसर में 85 गोवंशीय पशु पाए गए। सीडीओ ने गौशाला में पशुओं की देखभाल, चारे-पानी की व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने गोशाला में पशुओं की बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। सीडीओ ने सचिव व ग्राम प्रधान को निर्देशित किया कि पशुओं को नियमित रूप से हरा चारा, भूसा व साफ पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि गौशाला क्षेत्र में स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जाए ताकि पशुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसके साथ ही उन्होंने पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण,टीकाकरण व दवा वितरण की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया। सीडीओ ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गौशालाओं का संचालन पारदर्शी और बेहतर तरीके से होना चाहिए ताकि बेसहारा पशुओं को उचित आश्रय व देखभाल मिल सके।इस दौरान बीडीओ विनोद मणि त्रिपाठी,लालजी शुक्ला,राधे रमण, लाली, भोलू, झब्बू आदि मौजूद रहे।

सामुदायिक शौचालयों में करोड़ों का खेल!

● कागज़ों में सफाई, ज़मीन पर ताले – हर महीने 9000 रुपये का फर्जी भुगतान जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर जिले में भ्रष्टाचार की ऐसी कहानी लिखी जा रही है जो सुनकर जनता हैरान है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सामुदायिक शौचालय संचालन अब "सफाई नहीं, सफाई के नाम पर कमाई" का जरिया बन चुकी है। जिले में बने अधिकांश सामुदायिक शौचालय महीनों से बंद पड़े हैं, लेकिन हर महीने 9000 रुपये का भुगतान स्वयंसहायता समूह की महिलाओं के खातों में जारी है। आश्चर्य की बात यह है कि ये भुगतान तब भी हो रहे हैं जब एक भी शौचालय सुचारू रूप से संचालित नहीं है।

ज़मीन पर सच्चाई — जर्जर भवन, टूटी टंकी, उगी झाड़ियां

गांवों में जाकर हकीकत देखने पर साफ़ दिखता है कि शौचालयों के दरवाजों पर ताले लटक रहे हैं, पानी की सप्लाई महीनों से बंद है और कई जगह दीवारें टूट चुकी हैं। कहीं-कहीं तो शौचालय कूड़ा फेंकने की जगह बन चुके हैं।ग्रामीणों ने बताया कि कई शौचालयों की चाबियां किसी के पास नहीं हैं, कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। फिर भी कागज़ों में दिखाया जा रहा है कि सब कुछ "सुचारू रूप से संचालित" है।

ग्रामीण बोले — सफाईकर्मी को मिलता काम, तो बचता सरकारी धन

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर शौचालय संचालन का जिम्मा ग्राम पंचायत के सफाईकर्मियों को दिया गया होता, तो सरकार की करोड़ों रुपये की धनराशि बच सकती थी। ÷हर महीने 9000 रुपये किसी समूह को देने का क्या मतलब, जब शौचालय कभी खुले ही नहीं?" – एक ग्रामीण ने कहा।

भ्रष्टाचार की गंध — हर ब्लॉक में एक जैसी कहानी

सूत्रों के अनुसार, यह गड़बड़ी केवल एक-दो गांवों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले में फैली हुई है। हर ब्लॉक में दर्जनों शौचालय बंद हैं, लेकिन भुगतान बराबर हो रहा है।अगर जिला प्रशासन ने इस पर निष्पक्ष जांच कराई, तो करोड़ों रुपये के घोटाले का खुलासा होना तय है।

प्रशासन मौन, जनता आक्रोशित

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे "खुलेआम लूट का खेल" बताया है। उनका कहना है कि शासन की मंशा स्वच्छता लाने की थी, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत ने इस योजना की साख मिट्टी में मिला दी है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द जांच नहीं हुई, तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

जनता का सवाल — "कब जागेगा प्रशासन?"

"स्वच्छ भारत मिशन का मतलब था सफाई, न कि सफाई के नाम पर धन की बर्बादी। शौचालय अगर जनता के काम नहीं आए तो योजना का क्या अर्थ?" – यही सवाल अब गांव-गांव में गूंज रहा है।

प्रेमी के साथ फरार पत्नी तीन बच्चों संग दर-दर भटक रहा पति

महराजगंज कोतवाली। क्षेत्र के हलोर गांव निवासी अंशु नाई की पत्नी एक युवक के साथ घर छोड़कर फरार हो गई है। आरोप है कि महिला अपने तीन छोटे बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग भाग गई और अब अपने पति को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी दे रही है। पीड़ित पति अंशु नाई ने बताया कि उसने कई बार स्थानीय कोतवाली में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस पुलिसिया अनदेखी से परेशान अंशु अब न्याय की गुहार लेकर तहसील दिवस में अपने तीन मासूम बच्चों के साथ पहुँचा।

अंशु का कहना है कि उसकी पत्नी की हरकत से उसका परिवार टूट गया है और अब वह बच्चों की परवरिश को लेकर चिंतित है। उसने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि उसकी पत्नी को बरामद कर उसे न्याय दिलाया जाए और उसे धमकी देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

घर के गेट पर मिला दस घरों में चोरी करने व हत्या की धमकी भरा खूनी पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। घर के गेट पर मिला चोरी और हत्या की धमकी भरा 'खूनी' पत्र, एक साथ 10 घरों को निशाना बनाने की धमकी से गांव में हड़कंप। पुलिस छानबीन में जुटी। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के मोन गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब डाक विभाग में कार्यरत डाक बाबू रामकुमार के घर के सामने गेट पर एक धमकी भरा पत्र मिला। हस्तलिखित इस पत्र में न सिर्फ एक साथ 10 घरों में चोरी करने की बात लिखी है, बल्कि इसका विरोध करने पर 15 लोगों की हत्या करने की भी खौफनाक धमकी दी गई है। यह सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीण पुलिस से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

मामले की शिकायत दर्ज कराते हुए डाक बाबू रामकुमार ने कोतवाली पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह करीब दस बजे वह पत्नी सहित निमंत्रण में गए थे। घर में उसकी बहू ही अकेली थी। दोपहर करीब ढाई बजे जब उनकी बहू निशा ने घर के लान में लगे फूल के पेड़ पर्ची टंकी देखी तो मुहल्ले वालों को इसकी जानकारी दी। मिली पर्ची में लिखा है कि आज नौ बजकर तीस मिनट पर दस घर में चोरी करेंगे।जितना रखा बचाओ, उतना रखा लो।10 घर में चोरी करेंगे और 15 लोगों की मौत होगी आज। हम 10,000 हजार लोग हैं।"

करीब चार बजे निमंत्रण से वापस लौटे डाक-बाबू रामकुमार ने कोतवाली पुलिस से मिलकर मामले की लिखित शिकायत की है। उनका यह भी कहना है कि एक फेरी वाले ने उनके मुहल्ले में बाइक से कई चक्कर लगाएं है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने धमकी भरे पत्र को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि पता लगाने की कोशिश की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह किसी की शरारत है। फिलहाल गांव में में गश्त बढ़ा दी गई है। और ग्रामीणों को सुरक्षा का आश्वासन दिया है।

ग्राम पंचायत दयालपुर में 32वां रामलीला मंचन व रावण दहन, हजारों दर्शक बने साक्षी

● ....52 फीट ऊँचे रावण के पुतले का दहन, 151 कन्याओं का पूजन और भव्य दुर्गा पंडाल बना आकर्षण का केंद्र।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां/लखनऊ। विजयदशमी पर्व के अवसर पर निगोहां क्षेत्र की ग्राम पंचायत दयालपुर में 32वां रामलीला मंचन और रावण दहन का भव्य आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस दौरान 52 फीट ऊँचे रावण के पुतले का दहन किया गया, जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण एकत्र हुए। असत्य पर सत्य की विजय के इस दृश्य ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा मैदान जयकारों से गूंज उठा।

रामलीला मंचन के दौरान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान और मेघनाथ के प्रसंगों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मंचन में राम-रावण युद्ध, अंगद-रावण संवाद और हनुमान की वीरता के दृश्य देखकर लोग भाव-विभोर हो उठे। इस ऐतिहासिक आयोजन के बारे में मेला प्रबंधक रामभान सिंह ने बताया कि बीते 32 वर्षों से ग्राम पंचायत दयालपुर में रामलीला का आयोजन लगातार होता आ रहा है। यह आयोजन 28 सितंबर से आरंभ होकर 2 अक्टूबर विजयदशमी को सम्पन्न हुआ।

भव्य आयोजन का मुख्य आकर्षण लगभग 800 मीटर परिधि में बांस-बल्लियों से निर्मित विशाल दुर्गा पंडाल रहा। इसमें दर्शकों के लिए आकर्षक गुफाएं और झांकियां बनाई गई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनीं। इसी पंडाल में रामलीला का मंचन हुआ और रावण दहन का आयोजन सम्पन्न हुआ। आयोजन के दौरान धार्मिक परंपराओं का भी पालन किया गया। 151 कन्याओं का पूजन कर उन्हें खीर-पूरी का भोग लगाया गया। सभी कन्याओं को ससम्मान भोजन कराया गया। वहीं अगले दिन ढोल-नगाड़ों और बाजों के साथ माता की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। रामलीला कमेटी के मेला अध्यक्ष रामभान सिंह, शैलेंद्र (शीलू) शुक्ला, प्रधान प्रतिनिधि शैलेन्द्र पाल, डॉ. अवधेश कुमार कश्यप, गुड्डू मिश्रा, सरजू प्रसाद, शुभम मिश्रा, आशीष मिश्रा, सुशील शुक्ला, नीरज सिंह, विकास विश्वकर्मा, सचिन चौधरी, मुकेश मधुकर, शिवम मिश्रा, रजनीकांत सैनी, प्रभाकांत सैनी, अजीत सैनी, पंकज सैनी, अनिल तिवारी, आर्यन सिंह, रिवान सिंह, उत्कर्ष साहू, बंटी साहू, सोनू धीमान, मनीष रावत, अंश भारती, होरीलाल साहू, मयंक शुक्ला, अंबुज मिश्रा, सुनील भारती, सतीश विश्वकर्मा, नीतीश शुक्ला सहित तमाम कलाकार और समिति के सक्रिय सदस्य मौजूद रहे। इस भव्य आयोजन ने न केवल सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत किया बल्कि असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश भी जनमानस तक पहुंचाया।

एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस एसडीएम व सीओ रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों की शिकायत को गंभीरता से ले मौके जांच कर नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें लापारवाही बर्दास्त नही की जायेगी ये उद्गार तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एडीएम अमृता सिंह वित्त एवं राजस्व व्यक्त कर रही थी। एडीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस में कुल 40 शिकायते आई मौके पर 5 शिकायतो का निस्तारण किया गया।

आपको बता दें कि प्राप्त शिकायतो में सर्वाधिक शिकायत राजस्व 17 पुलिस 11, विकास 01 अन्य 11 प्रार्थना पत्र आए महराजगंज कस्बे के लोगो ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि कुछ स्थानों पर विद्युत पोल नही लगे हुए जिससे अंधेरा होने के कारण चोरी होने की संभावना रहती है जिस पर एडीएम ने संबधित को कार्यवाही के निर्देश दिए। शेष शिकायतो के निस्तारण के लिए सम्बन्धित को मौके पर जांच कर निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर एसडीएम गौतम सिंह क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार तहसीलदार मंजूला मिश्रा , नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह, राजस्व निरीक्षक उमेश चंद्र त्रिपाठी, अहमद, आबिद अली, लेखपाल राजीव मिश्र, सुनील यादव, संतोष पटेल सहित सम्बन्धित थानों के उपनिरीक्षक मौजुद रहे।

दलित महिला व उसकी बेटी को जमीनी विवाद में लात घूसों व डंडों से बेरहमी से पीटा

लालगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के नवरंग सिंह का पुरवा मजरे आलमपुर गांव में शुक्रवार को रास्ते की विवाद को लेकर चार लोगों ने एक महिला और उसकी बेटी को डंडे लात घुसो से जमकर पिटाई कर दी। तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एससी एसटी सहित मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासिनी कृष्णा देवी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि आरोपी उसके घर के सामने दरवाजा खोल रहे थे मना करने पर गाली गलौज शुरू कर दी। एतराज करने पर परमेश्वर यादव उनकी पत्नी शिव देवी बेटे पिंटू और भतीजे छोटू के साथ मिलकर उसे घर से खींचकर उसकी लात घूंसो, डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। बचाने आई उसकी बेटी को भी जमकर मारा पीटा। पीड़िता ने बताया कि मारपीट कि यह घटना उसके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

तहसील समाधान दिवस सम्पन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। सरोजिनी नायडू सभागार में एडीएम/सिटी मजिस्ट्रेट महेंद्र पाल सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। द्रमलहा निवासी ग्राम प्रधान दिनेश कुमार ने बताया गांव में राजकीय विद्यालय का निर्माण 7 वर्ष पूर्व हो चुका है। विद्यालय में न ही क्लास रूम में बच्चों की बैठने की व्यवस्था है और न ही आने-जाने का समुचित मार्ग है।विद्यालय में कोई सुरक्षा की दृष्टि से कोई बाउण्ड्री वाल भी नहीं है जिससे आवारा कुत्ते व जानवर विद्यालय में टहलते हैं।

बकि खेल कूद हेतु जमीन मौके पर उपलब्ध है फिर भी खेलकूद से बच्चे वंचित है स्कूल जाने के लिए रास्ता नही होने के कारण विद्यालय में बच्चों की संख्या बहुत ही कम है। क्योंकि विद्यालय में आवश्यक सुविधा नही होने के कारण मेरे ग्राम पंचायत के बच्चे अन्य विद्यालय जाते हैं। जिससे ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों को काफी कष्ट की अनुभूति होती है। यूसुफ खा ने प्रार्थना पत्र देते हुए बताया मलिहाबाद से घंटाघर तक इलेक्ट्रिक बस सेवा है जिसके अंतर्गत मलिहाबाद और घंटाघर में यात्री सुविधाएं नदारत है बारिश में बसों के इंतजार में यात्री खुले में खड़े होकर भीग जाते है। यात्री हित मे बारिश और धूप से बचाव के लिए छाया का प्रबंध किया जाय।

रहीमाबाद के गदिया खेड़ा निवासी राजाराम ने कैथुलिया गौशाला से लिए गए पशु का मामला उठाया। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल से उनके खाते में पशु की देखभाल और चारे का पैसा नहीं आ रहा है ब्लॉक में शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।तहसील दिवस में एसडीएम अंकित कुमार,एसीपी सुजीत कुमार दुबे, तहसीलदार और अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत अर्रो खेमाजितपुर में चौपाल

● पुलिस टीम ने दिया सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का मंत्र

महिलाओं ने बढ़ाया आत्मविश्वास, पुलिस से किया खुला संवाद- प्रधान विक्रम सिंह की रही अहम भूमिका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर(ब्यूरो)। कोतवाली देहात क्षेत्र की ग्राम पंचायत अर्रो खेमाजितपुर में मिशन शक्ति अभियान (फेज-5) के अंतर्गत एक विशेष चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल ने ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया संदेश देने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास भी जगाया। ग्राम प्रधान विक्रम सिंह की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं, छात्राओं और अध्यापिकाओं की मौजूदगी ने माहौल को खास बना दिया। चौपाल में कोतवाली देहात पुलिस टीम महिला पुलिस कर्मियों के साथ पहुँची और उपस्थित महिलाओं को महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारियाँ साझा कीं। अपराध निरीक्षक राजबहादुर सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं, लेकिन सतर्क रहना बेहद ज़रूरी है। यदि कोई व्यक्ति रास्ते में, कार्यस्थल पर या सोशल मीडिया पर परेशान करे तो डरें नहीं, तुरंत सूचना दें – पुलिस तुरंत मदद करेगी। उन्होंने बताया कि आपकी ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में शिकायत पेटिका रखवाई जाएगी। महिलाएं अपनी समस्या लिखकर उसमें डाल सकेंगी। सप्ताह में एक बार पुलिस टीम पेटिका खोलेगी, शिकायतों की वीडियोग्राफी होगी और तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

बड़ागांव चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक रामचंद्र यादव ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य हर महिला को निडर और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए – 1090 (वूमेन पॉवर लाइन), 182 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 108 (एंबुलेंस), 1098 (बाल संरक्षण), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) आदि।

महिला कांस्टेबल आशा शर्मा ने महिलाओं को सरकार की योजनाओं और सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं ने भी खुलकर अपनी बातें रखीं और पुलिस अधिकारियों से सीधे संवाद किया। पंचायत सहायक ने महिलाओं का हौसला बढ़ाने वाली एक प्रेरणादायक कविता प्रस्तुत की, जिस पर चौपाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन पर ग्राम प्रधान विक्रम सिंह ने सभी अधिकारियों और उपस्थित ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसी चौपालें गांव की महिलाओं के आत्मविश्वास को और मजबूत करती हैं। चौपाल में हेड कांस्टेबल शिवपाल, कांस्टेबल मोनू कुमार, मोहम्मद अकरम, कपिल कुमार, नितिन शर्मा, विनीत कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन पर गंदगी देख डीआरएम ने अफसरों को लगाई कड़ी फटकार

● लालगंज रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना में मिलेगी नई सूरत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने शनिवार की शाम लालगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। स्टेशन परिसर में फैली गंदगी देखकर उन्होंने स्टेशन अधीक्षक और ईओडब्ल्यू उन्नाव के अफसर को कड़ी फटकार लगाई। डीआरएम ने प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, कंट्रोल रूम, शौचालय और कैंटीन तक का बारीकी से निरीक्षण किया। शौचालय और वाटर कूलर के आसपास जमा गंदगी देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। डीआरएम शाम करीब 4¬30 बजे विशेष निरीक्षण यान से प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने करीब 40 मिनट तक पूरे परिसर का जायजा लिया। वह प्रधानमंत्री की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का निरीक्षण करने आए थे। इस दौरान साथ मौजूद चीफ इंजीनियर ऋषि कुमार यादव ने उन्हें प्रस्तावित बदलावों की जानकारी दी। योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। प्लेटफार्म पर टीन शेड लगाए जाएंगे, विकलांग यात्रियों के लिए रैंप की सुविधा बनेगी, स्टेशन के दाई ओर पार्किंग और बाई ओर पार्क विकसित किया जाएगा। साथ ही स्टेशन पर वीआईपी गेट भी तैयार किया जाएगा। इसके बाद उन्होंने गेट नंबर 72 बी का निरीक्षण किया। गेट पर आरोपी बनाने को लेकर मातहतों से चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि गेट नंबर 71 बी पर आरोही बनाना संभव नहीं है। लेकिन बछरावां रोड रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर से आरोबी बनाया जा सकता है।

व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

डीआरएम के दौरे पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपा। इसमें आरसी ट्रेन चलाने की मांग की गई। साथ ही यात्रियों के लिए अनाउंसमेंट सिस्टम शुरू करने, आरक्षण काउंटर का समय दो घंटे बढ़ाने, प्रतीक्षालय खोलने, शौचालय व पेयजल की उचित व्यवस्था कराने की मांग रखी गई।

डीआरएम ने आरसी ट्रेन के संबंध में बोर्ड को पत्राचार का आश्वासन दिया। यात्री सुविधाओं को जल्द बेहतर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मौके पर व्यापारी संगठन के पदाधिकारी मदन मिश्रा, रोहित सोनी, शिवम गुप्ता, मृत्युंजय बाजपेई, शीलू त्रिवेदी, कौशलेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बालिकाओं व महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जा जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज- पांच के अंतर्गत शनिवार को उस्का बाजार विकास क्षेत्र के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय परसा खुर्द में बालिकाओं व महिला अभिभावकों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि एंटी रोमियो टीम की प्रभारी शाइस्ता खान ने बताया गया कि यदि कोई बालिका या महिला किसी प्रतिकूल स्थिति का सामना करे, तो उसे चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए और सरकारी व सामाजिक सहायता तंत्र का उपयोग करना चाहिए। उन्होनें आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों 112 (इमरजेंसी सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्प लाइन), 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) और 1076 (उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) की जानकारी दिया।साथ ही बालिकाओं और महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े अधिकारों और तकनीकों की विस्तृत जानकारी देते व्यक्तिगत सुरक्षा पर चर्चा किया।

उन्होनें सिखाया कि विभिन्न सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें। खंड शिक्षा अधिकारी ओपी मिश्र ने कहा कि इन कार्यकमों का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं को उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा, अधिकारों और कानूनी प्रावधानों से जोड़ना है, ताकि वे आत्मनिर्भर और सुरक्षित जीवन जी सकें। जनपदीय नोडल पशुपति दूबे ने मिशन शक्ति के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न सत्रों को आयोजित करने को लेकर दिए गए निर्देशों को बताया। कार्यक्रम में ब्लाक नोडल अनुराधा, एंटी रोमियो टीम की मधु ,श्रीप्रकाश चौरसिया, शिक्षक बालजीत , सुप्रिया, अर्चना, चंद्रजीत, अमित, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

शासन ने बाल्मीकि जयंती का 7 अक्टूबर का अवकाश घोषित किया

मथुरा। प्रदेश के सामान्य प्रशासन अनुभाग के विशेष सचिव जुहेर बिन सगीर ने जिलाधिकारी को भेजे पत्र में निर्बन्धित अवकाशों की सूची के क्रमांक 25 पर महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर 7 अक्टूबर (मंगलवार) को निर्बन्धित अवकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों को पत्र भेजकर जानकारी दी है। इस दिन जनपद के सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे।

जिला विकास अधिकारी को मातृ शोक

मथुरा, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे की 94 वर्ष की माताश्री श्रीमती शांति देवेन्द्र खरे का इनके इलाहबाद स्थित आवास पर निधन हो गया। इनके निधन की खबर सुनकर विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों में शोक की लहर दोड़ गई। राजीव भवन में दो मिनट का मौन रखकर कर्मचारी एवं अधिकारियों ने श्रद्धाजलि अर्पित की।

उत्तर-पूर्वी जिले द्वारा बेला फार्म,शास्त्री पार्क, दिल्ली में दंगा-रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया

दिल्ली जिला उपायुक्त संदीप लाम्बा ने बताया कि पुलिस कर्मचारियों की परिचालन दक्षता और तैयारियों का आकलन करने के लिए एक मॉक दंगा-रोधी अभ्यास का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारी अच्छी तरह से प्रशिक्षित रहें और आपातकालीन स्थितियों के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहें। मॉक ड्रिल के दौरान, वाटर कैनन, वज्र, विक्रांत और एम्बुलेंस की कार्यप्रणाली का गहन मूल्यांकन किया गया। गैसगन और एआरई जैसे उपकरणों को संभालने में कर्मचारियों की सतर्कता और दक्षता का भी परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल सुबह 08ः00 बजे शुरू हुई, जिसमें 1 एसीपी,7 इंस्पेक्टर, उच्च और निम्न 162 अधीनस्थ कुल 170 इसके अतिरिक्त, अभ्यास के दौरान निम्नलिखित वाहन और उपकरण भी तैनात किए गए। वाटर कैनन, वज्र, विक्रांत, गैसगन और एमएसएल शामिल थे।

यमुना एक्सप्रेस वे पर बाइक सवार दो युवकों की मौत

बैक पास बुक से हुई मृतक युवकों की पहचान

मथुरा। जनपद के थाना बलदेव क्षेत्र में शनिवार तड़के 4.45 पर यमुना एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन 140 पर दो बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया, दोनों बाइक सवारों की दर्दनाक मौत हो गई। एक व्यक्ति बुरी तरह से कुचल गया। शवों की पहचान जेब में रखी बैंक पासबुक से हुई। बताया गया है कि दोनों दोस्त थे। मथुरा में प्राइवेट काम करते थे। शनिवार तड़के अपाचे बाइक से नोएडा से आगरा जा रहे थे। जेब में रखी बैंक पासबुक से पहचान कानपुर के गांव बलुआपुर पोस्ट नाबस्ता निवासी रघुनाथ (30) और शिवली निवासी जसवंत (30) के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची थानाध्यक्ष रंजना सचान ने शवों को पीएम को भेज दिया है। परिजनों को सूचना दी है। पुलिस ने बताया कि अन्य जानकारी परिजनों के आने पर होगी। सीओ संजीव राय और थानाध्यक्ष रंजना सचान ने बताया अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को रौंद दिया है। दोनों युवकों की मौत हो गई है। पुलिसकर्मियों ने देखा कि अपाचे बाइक (रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 78 एचएम 5591) सड़क पर क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी हुई थी और उसके पास ही दो युवको के शव पड़े थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक का शव पूरी तरह कुचल गया था। थाना प्रभारी बल्देव ने बताया कि दोनों शवों को एंबुलेंस की सहायता से जिला मोर्चरी मथुरा भेजा गया है। मृतकों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

एसएसपी ने रिश्वत के आरोप में एसआई, सिपाही को किया निलंबित

● मांट थाने पर तैनात सब इंस्पेक्टर ने डायल 112 के सिपाही के जरिये लिए थे पैसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। पुलिस महकमे की छवि पर बट्टा लगाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ एसएसपी का एक्शन जारी है। एसएसपी श्लोक कुमार ने एक एसआई और एक आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। यह कार्यवाही विवेचना के दौरान आरोपी से धाराओं में फेरबदल करने के नाम रिश्वत लेने के आरोपों के बाद की गई है। एसएसपी ने मामले की जांच कराई है। एसआई कपिल कुमार थाना मांट पर तैनात थे। आरक्षी सचिन शर्मा की ड्यूटी यूपी 112 थी। थाना मांट वर वर्ष 2024 में धारा 498, 323, 504, 506 आईपीसी व 3, 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अंकित व अन्य पर दर्ज हुआ था। थाना मांट पर तैनात एसआई कपिल कुमार को इसकी विवेचना करनी थी। विवेचना के दौरान विवेचक ने धारा 307 आईपीसी की वृद्धि किये जाने की बात की और आरोपी के भतीजे को लैपटॉप पर दिखाया कि मामले में धारा 307 बढ़ाई गई है। इसके बाद उस समय मांट थाने पर तैनात आरक्षी सचिन शर्मा के माध्यम से धारा को हटाने की एवज में आरोपी पक्ष से पैसे एसआई कपिल कुमार ने तय कराये। पैसे एसआई को दिये गये लेकिन किन्हीं कारणों से एसआई से पैसे वापस हो गये। एसआई कपिल कुमार द्वारा अनुचित लाभ प्रलोभन से आरक्षी के माध्यम से रिश्वत लेने एवं अपने कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, असंवेदनशीलता, स्वेच्छाचारिता, उदासीनता बरतने आदि के आरोप संज्ञान में आने पर

एसएसएसपी श्लोक कुमार ने एसआई कपिल कुमार व आरक्षी सचिन शर्मा के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से निलम्बन की कार्यवाही की है। एसएसपी ने सभी अधीनस्थों को निर्देशित किया है कि पूर्ण मनोयोग से जनहित में कार्य करें, अनुशासन में रहकर ड्यूटी करें। अनुशासनहीनता बरतने पर सीधे निलंबन की कार्यवाही की जायेगी।

प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में मनाया गया वन्य जीव सप्ताह

● वन्य जीव हमारी धरोहर, संरक्षण सबका दायित्वः क्षेत्रीय वन अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। विकासखंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत छात्रों को वन्य जीवों की महत्ता और उनके संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी रवि कुमार ने छात्रों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वन्य जीव केवल जंगलों की शोभा नहीं, बल्कि हमारी अनमोल प्राकृतिक धरोहर हैं। जिनकी रक्षा करना समाज के हर वर्ग का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वन्य जीव पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इनकी रक्षा करना केवल वन विभाग का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। वन दरोगा पुनीत शुक्ला ने सभी छात्रों तथा ग्रामवासियों को वन्य जीव संरक्षण की शपथ दिलाई और बताया कि भारत में जीव-जंतुओं के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 2 से 8 अक्टूबर तक पूरे देश में वन्यजीव सप्ताह मनाया जाता है। उन्होंने वन पुलिस की भूमिका, दायित्व और वनों के लाभों से छात्रों को अवगत कराया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश ने कहा कि वन्यजीव हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग हैं, क्योंकि हमारे देवी देवताओं ने भी इनके साथ सह अस्तित्व का संदेश दिया है। यही कारण है कि आदिकाल से वन्यजीवों का संरक्षण भारत की जीवन पद्धति का स्वाभाविक हिस्सा रहा है। कार्यक्रम के अंत में प्रश्न मंच का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता छात्रों को उपहार देकर वनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर वन विभाग से जगपाल सिंह, राहुल कुमार, भारत सिंह और विद्यालय

वन्य जीव संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत छात्रों को वन्य जीवों की महत्ता और उनके संरक्षण का संदेश दिया गया।

परिवार से डॉ जगदीश पाठक, डॉ ममता रानी, गीता सक्सेना, बिन्दु शर्मा, प्रेमचंद, पूजा, आकाश आदि की उपस्थिति मुख्य रही। संचालन डॉ जगदीश पाठक ने किया।

विकसित भारत बिल्डथान 12 वीं तक के छात्र लेंगे भाग

● इस बिल्डथान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में नवाचार, रचनात्मकता और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देना है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में विकसित भारत बिल्डथान 2025 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर के कक्षा छह से 12 तक के छात्र छात्राएं भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि छह अक्टूबर तय की गई है। इस बिल्डथान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में नवाचार, रचनात्मकता और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देना है। नवाचार से संबंधित यह प्रतियोगिता सभी सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी स्कूलों में आयोजित की जाएगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों, बेसिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों और डायट प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे अधिक से अधिक बच्चों का पंजीकरण सुनिश्चित करें। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को यह देखना होगा कि छात्र-छात्राएं इस कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं या नहीं।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा कार्यक्रम से संबंधित कांसेप्ट नोट, वीडियो और जिंगल्स पहले ही पत्र में दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से साझा किए जा चुके हैं। इसके अलावा पंजीकरण प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाने के लिए विशेष वीडियो तैयार कराया गया है, जिसे सभी प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

चार विषयों में शामिल होंगे छात्र छात्राएं

जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि स्कूलों में विकसित भारत बिल्डथान-2025 का आयोजन किया जाएगा। नवाचार से संबंधित यह प्रतियोगिता सभी सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी स्कूलों में आयोजित की जाएगी। बिल्डथान-2025 में कक्षा छह से 12वीं के विद्यार्थी भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य उन्हें इनोवेटिव सोच का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना है। इसका उद्देश्य परियोजना आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों को सीखना है। इसमें प्रत्येक टीम चार राष्ट्रीय विषयों में से किसी एक में सम्मिलित होगी, जिनमें वोकल फार लोकल, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी और समृद्ध भारत सम्मिलित हैं। प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए विद्यालय छह अक्टूबर तक अपना निबंधन प्रतियोगिता करा सकेंगे। 12 अक्टूबर तक विद्यालय स्तर पर गतिविधियां होंगी, जिनमें मार्गदर्शन भी सम्मिलित हैं। 13 अक्टूबर को पूरे देश में लाइव बिल्डथान का आयोजन होगा।

निर्धारित पोर्टल पर होगी आइडिया की एंट्री

14 से 31 अक्टूबर तक आइडिया की एंट्री निर्धारित पोर्टल पर होगी तथा नवंबर माह में उनका मूल्यांकन होगा। दिसंबर में विजेता की घोषणा की जाएगी तथा कारपोरेट स्वीकृति दी जाएगी। प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को मेंटर बनाने के भी निर्देश दिए हैं। प्रतिभागी वीडियो या प्रोफोटाइप के रूप में अपने आइडिया को अपलोड करेंगे।

वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में 'मन महोत्सव' के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 2025 समारोह की शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्लीः वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग ने आज 'मन महोत्सव' के तहत परिसर में एक जीवंत जागरूकता मार्च के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 2025 समारोह का उद्घाटन किया। इस मार्च में निदेशक डॉ. संदीप बंसल, प्राचार्य डॉ. गीतिका खन्ना, सभी अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक और मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज वर्मा के साथ-साथ संकाय, रेजिडेंट, छात्र और कर्मचारी शामिल हुए और इसका नेतृत्व किया। इस मार्च का उद्देश्य जागरूकता फैलाना, कलंक को तोड़ना और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करना था। इस वर्ष का विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह "सेवाओं तक पहुँच - आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर केंद्रित है। इसके अनुरूप, मान महोत्सव में पूरे सप्ताह आकर्षक और शैक्षिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला होगी, जिनमें शामिल हैं- मनोचिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य पर पीजी क्विज़ प्रतियोगिता, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए पोस्टर और पेंटिंग प्रतियोगिताएं, मानसिक कल्याण पर युवाओं की आवाज़ के लिए माइक ड्रॉप इवेंट, विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा, संकट और आपात स्थिति के दौरान मानसिक स्वास्थ्य पहुंच सुनिश्चित करने में चुनौतियों और समाधानों पर प्रकाश डालना। इस अवसर पर बोलते हुए, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने समाज में सबसे वंचित और जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए मानसिक

स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। वीएमएमसी की प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना ने जागरूकता के संदेश को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज वर्मा ने सप्ताह भर चलने वाले समारोह को सभी के लिए एक सहायक और समावेशी वातावरण बनाने के अवसर के रूप में रेखांकित किया।

थाना आईपी एस्टेट ने अवैध पटाखा आपूर्ति का भंडाफोड़ किया

नई दिल्लीः आगामी त्यौहारी सीज़न को देखते हुए, पटाखों पर प्रतिबंध के उल्लंघन पर नज़र रखने और ऐसे विस्फोटकों के आपूर्तिकर्ताओं और भंडारण स्थलों की पहचान करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। 3 अक्टूबर को पुलिस थाना आईपी एस्टेट में अवैध पटाखों की बिक्री की सूचना प्राप्त हुई। गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, राउज़ एवेन्यू कोर्ट, डीडीयू मार्ग, दिल्ली के पास छापा मारा गया, जिसके दौरान एक व्यक्ति को पटाखों की भारी खेप के साथ गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर की गई आगे की तलाशी में मीना बाज़ार, जामा मस्जिद से अतिरिक्त पटाखे बरामद हुए।

यह अभियान सुश्री सुलेखा जगरवार, सहायक पुलिस आयुक्त/उप-मंडल कमला मार्केट के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में, घनश्याम किशोर, थाना प्रभारी/आईपी एस्टेट के निर्देशों पर और उप-निरीक्षक मुकेश तोमर की निगरानी में चलाया गया। टीम में उप-निरीक्षक मनीष, सहायक उप-निरीक्षक राजकुमार गिरी, हवलदार नदीम और कांस्टेबल राहुल शामिल थे।थाना आईपी एस्टेट टीम की त्वरित और सतर्क कार्रवाई से अवैध पटाखा विक्रेता को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम मोहम्मद तौहीद आलम जिसकी आयु 44 वर्ष जो मीना बाज़ार, जामा मस्जिद, दिल्ली का निवासी है। उसके पास से 70.4 किलोग्राम अवैध पटाखे/ विस्फोटक

बरामद हुए। लगातार पूछताछ के दौरान, अभियुक्त ने खुलासा किया कि उसने त्योहारों के मौसम में लाभ कमाने के लिए अवैध रूप से बेचने के इरादे से हरियाणा से प्रतिबंधित पटाखे खरीदे थे। उसके आपूर्तिकर्ताओं की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। यह तमाम जानकारियां निधिन वलसन, आईपीएस, पुलिस उप आयुक्त मध्य जिला, नई दिल्ली ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी।

दोना, पत्तल की फैक्ट्री में लगी आग, लाखों का नुकसान

● मथुरा के किशनपुर गांव में दोना पत्तल बनाने वाली फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से आग, लाखों का सामान जलकर खाक।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। थाना महावन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम किशनपुर में शनिवार तड़के एक दोना पत्तल बनाने की फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिसने देखते ही देखते पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। सुबह करीब चार बजे उठे धुएं को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। लोगों ने शोर मचाते हुए आसपास के लोगों को जगाया और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। ग्रामीणों ने पानी और मिट्टी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक फैक्ट्री के अंदर रखा लगभग सारा माल जलकर खाक हो गया। फैक्ट्री स्वामी ने बताया कि उसने मेहनत-मजदूरी कर इस दोना पत्तल यूनिट को स्वरोजगार के रूप में स्थापित किया था, जिससे पूरे परिवार का भरण पोषण होता था। आग लगने के चलते न केवल मशीनें बल्कि तैयार माल भी पूरी तरह जल गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि लगभग नौ लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

अचानक हुए इस हादसे से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। फैक्ट्री स्वामी ने बताया कि वह पूरी तरह टूट चुका है, क्योंकि यही उसके जीवनयापन का एकमात्र साधन थं उसने प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है, ताकि वह दोबारा अपना रोजगार शुरू कर सके। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड पहुंच जाती तो नुकसान कुछ कम हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। प्रशासन ने नुकसान का आकलन कर मदद का भरोसा दिलाया है।

जिला प्रशासन ने अहोई अष्टमी की तैयारी शुरू की

● एसएसपी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गोष्ठी की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। जिला प्रशासन ने अहोई अष्टमी के पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। अहोई अष्टमी पर गोवर्धन के राधाकुंड में भारी संख्या में स्नान को श्रद्धालु जुटते हैं। स्नान का पर्व रात के समय मनाया जाता है इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने कुंड और आसपास सुरक्षा की दृष्टि से तैयारी की है। मान्यता है है कि निसंतान दंपति अहोई अष्टमी पर राधा कुंड में स्नान करते हैं तो उन्हें संतान की प्राप्ति होती है। संतान प्राप्ति की अभिलाषा लिए हजारों की संख्या में दंपति अहोई अष्टमी पर राधा कुंड में स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। एसएसपी श्लोक कुमार, मनीष मीणा मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना व एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत द्वारा तहसील गोवर्धन सभागार में आगामी अहोई अष्टमी के दृष्टिगत पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। वहीं एसएसपी मथुरा व मुख्य विकास अधिकारी

मथुरा द्वारा तहसील गोवर्धन मथुरा में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर आम जनमानस की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा प्राप्त प्रार्थना पत्रों के नियमानुसार त्वरित निस्तारण हेतु तत्संबंधित को निर्देशित किया गया।

देश दुनिया ने देखा संघ का शक्ति प्रदर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष विजयादशमी उत्सव पर पथ संचलन से प्रारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनेश भारद्वाज

नई दिल्ली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने अपने शताब्दी वर्ष की ऐतिहासिक शुरुआत विजयादशमी उत्सव के अवसर पर दिल्ली के विभिन्न जिले में भव्य पथ संचलन से की। सुबह 7 बजे से 10 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के 12 मंडलों के अंतर्गत 13 स्थानों पर मुख्य मार्गो से अनुशासित पथ संचलन निकाला गया। पूरे आयोजन में उत्साह, अनुशासन और संगठन की अद्वितीय छवि देखने को मिली।पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों की पंक्तियों ने अनुशासन और संगठन का परिचय देते हुए क्षेत्र का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। नारी शक्ति, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही। दिल्ली के प्रत्येक मंडल कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, वहीं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने अतिथि के रूप में मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि विजयादशमी उत्सव केवल एक परंपरा नहीं बल्कि संगठन, सेवा और राष्ट्रसमर्पण का प्रेरणास्रोत है। जिले के माननीय संघ की पंच परिवर्तन योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए शताब्दी वर्ष को समाज जागरण का वर्ष घोषित किया। उन्होंने कहा कि यह समय केवल अतीत की उपलब्धियों को याद करने का नहीं बल्कि भविष्य के संकल्पों को मजबूत करने का है।

वक्ताओं ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि 1940 से 1975 तक के कालखंड में विभाजन, युद्ध और आपातकाल जैसी परिस्थितियों में संघ ने कठिनाइयों का सामना किया। 1975 से 2000 के बीच संगठन का विस्तार हुआ और विभिन्न संगठनों की नींव रखी गई। 2000 के बाद समाज में व्यापक बदलाव और राम मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक निर्णय सामने आए। कोरोना काल में भी संघ ने सेवा कार्यों से समाज का साथ दिया। संघ के वरिष्ठ वक्ताओं ने कहा कि शताब्दी वर्ष केवल औपचारिक उत्सव का नहीं, बल्कि सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्रों में समाज तक पहुँच बढ़ाने का संकल्प वर्ष है। कार्यक्रम में यह भी उल्लेख किया गया कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार ने स्मृति सिक्का और डाक टिकट जारी कर विश्वास और सम्मान प्रकट किया है।

पथ संचलन के साथ आयोजित विजयादशमी उत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएँ और युवा उपस्थित रहे।जिला प्रचार प्रमुखअन्य सभी की पथ संचलन में पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने भाग लिया। समाज की सज्जन शक्ति ने फूलों की वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। वरिष्ठ संघ अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। विजयादशमी का यह आयोजन न केवल दिल्ली के प्रत्येक जिले के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ, बल्कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की दिशा और दशा तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव भी बना।

नगर में निकली श्रीकृष्ण बलराम शिक्षा शोभायात्रा

● नगरवासियों ने किया पग पग पर स्वागत व आरती

आज मथुरा से उज्जैन के लिए करेगी प्रस्थान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ के तत्वावधान में उज्जैन जाने वाली श्रीकृष्ण बलराम शिक्षा यात्रा के अंतर्गत शनिवार को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ भूतेश्वर स्थित श्रीबाबा आश्रम से हुआ, जो डीग गेट, मंडी रामदास, चौक बाजार, स्वामी घाट होते हुए विश्राम घाट पहुँची। यहाँ पर सामूहिक यमुना पूजन संपन्न हुआ। यात्रा में धर्मध्वजा, वृंदावन का बैंड, श्रीनाथजी एवं श्री यमुनाजी की झांकी, संकीर्तन मंडल, शहनाई वादन तथा श्रीकृष्ण बलराम के स्वरूपों की मनोहारी झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।नगरवासियों ने स्थान स्थान पर पुष्पवर्षा और आरती कर यात्रियों का स्वागत

श्रीकृष्ण बलराम शिक्षा यात्रा में शामिल लोग।

किया। शोभायात्रा के मार्ग में श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक आरती एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर समिति के संस्थापक श्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा, कार्यक्रम संयोजक संजय पिपरोनिया, महामंत्री अर्जुन पंडित, उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, कोषाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, मंत्री कुलदीप शास्त्री, हरिशंकर, दाऊदयाल पंडा सर्वेश चतुर्वेदी, तथा सोशल मीडिया प्रभारी दोमेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं उसी क्रम में नारायण दास ट्रस्ट के श्री गोपाल मंदिर की कार्यकारिणी द्वारा भी शोभायात्रा का स्वागत किया गया। ट्रस्टी मनीष अग्रवाल एडवोकेट ने कहा कि धर्म और शिक्षा का संगम ही समाज को सशक्त बनाता है। श्रीकृष्ण बलराम शिक्षा यात्रा के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, आस्था और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया जा रहा है। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह समाज में आध्यात्मिक चेतना और एकजुटता का प्रतीक है। हम सबको ऐसे आयोजनों से प्रेरणा लेनी चाहिए और धर्मकार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर ट्रस्टी मनीष अग्रवाल एडवोकेट, प्रबंधक दीपक सिंघल, कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा, प्रवक्ता श्याम शर्मा एवं अमित अग्रवाल एडवोकेट ने दीपिका अग्रवाल सीमा मोरवाल ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष के घर पर गोली चलाने वाले को लगी गोली

● मुठभेड़ के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार, पुलिस खंगाल रही इतिहास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। भाजपा जिला अध्यक्ष के घर फायरिंग करने वाले बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसओजी टीम और थाना छाता पुलिस की संयुक्त टीम ने की। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार बदमाश की पहचान विष्णु पुत्र प्रकाश निवासी सुनरख, थाना जैत के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक विष्णु कुख्यात लोकेश गैंग से जुड़ा हुआ है और भाजपा जिला अध्यक्ष के घर हुई फायरिंग की वारदात में वांछित था। शुक्रवार देर रात पुलिस टीम ने जब उसे घेरने की कोशिश की तो बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मौके से विष्णु को गिरफ्तार कर लिया और उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, एक तमंचा और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बदमाश का आपराधिक इतिहास खंगाला रहा है और उसके गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। मथुरा में भाजपा जिला अध्यक्ष के

घर फायरिंग करने वाला बदमाश विष्णु पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया। जैत थाना क्षेत्र के सुनरख निवासी विष्णु लोकेश गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है शुक्रवार देर रात एसओजी और छाता पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली उसके पैर में लगी। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया। उसके पास से तमंचा, कारतूस और चोरी की बाइक बरामद हुई। पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क की जांच कर रही है।